सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

दूसरे टेस्ट में विराट कोहली को पछाड़ सकते हैं ऋषभ पंत, एक शतक की है जरूरत -पेज: 7

सन ऑफ सरदार 2 का हिस्सा न होने पर सोनाक्षी सिन्हा ने दी प्रतिक्रिया -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 83 | मंगलवार 01 जुलाई 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

इसका प्रावधान तो संविधान में है, बिहार चुनाव से पहले वोटर लिस्ट पर बवाल; अब चुनाव आयोग का आया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी): बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले वोटर लिस्ट रिवीजन को लेकर सियासी बवाल मचा हुआ है। विपक्षी दल चुनाव आयोग के इस कदम का विरोध कर रहे हैं। इन सब के बीच चुनाव आयोग ने सोमवार (30 जून, 2025) को कहा कि इसके रिवीजन की जरूरत है, क्योंकि वोटर लिस्ट कई कारणों से बदलती रहती है और संविधान में ये सुनिश्चित करने का प्रावधान है कि केवल पात्र नागरिक ही मतदाता सूची का हिस्सा हों और जो पात्र नहीं हैं, उन्हें वोट देने का अधिकार नहीं है। विपक्षी दलों का कहना है कि गहन पुनरीक्षण से राज्य मशीनरी का इस्तेमाल करके मतदाताओं को जानबूझकर बाहर करने का खतरा है। इस पर चुनाव आयोग ने बयान जारी करके कहा कि मतदाता सूची का पुनरीक्षण बेहद जरूरी है क्योंकि यह एक गतिशील सूची है, जो मौत, प्रवास की वजह से लोगों की शिफ्टिंग और 18 साल की उम्र पूरी कर चुके नए मतदाताओं के जुड़ने की वजह से बदलती रहती है।

बयान में ये भी कहा गया है कि बिहार की 2003 की मतदाता सूची पिछली गहन समीक्षा के बाद प्रकाशित हुई थी। इसकी उपलब्धता आसान होने से राज्य में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में काफी सुविधा होगी क्योंकि अब कुल मतदाताओं में से लगभग 60 प्रतिशत लोगों को कोई दस्तावेज पेश करना नहीं पड़ेगा।

संविधान का आर्टिकल 326 वोटर बनने के लिए पात्र बनाता है चुनाव आयोग ने कहा, "इन सब के अलावा, संविधान का अनुच्छेद 326 वोटर बनने के लिए पात्र बनाता है। केवल 18 साल की उम्र से ज्यादा के भारतीय नागरिक और उस निर्वाचन क्षेत्र के सामान्य निवासी ही मतदाता के रूप में पंजीकृत होने के पात्र हैं।" चुनाव आयोग ने कहा कि उसने बिहार की 2003 की मतदाता सूची अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दी है, जिसमें 4.96 करोड़ मतदाताओं का विवरण है। इसका इस्तेमाल 2003 की सूची में शामिल लोग अपना गणना फार्म जमा करते समय दस्तावेजी साक्ष्य के रूप में कर सकते हैं। 60 प्रतिशत लोगों को नहीं पेश करना पड़ेगा दस्तावेज बयान में ये भी कहा गया है कि बिहार की 2003 की मतदाता सूची पिछली गहन समीक्षा के बाद प्रकाशित हुई थी। इसकी उपलब्धता आसान होने से राज्य में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में काफी सुविधा होगी, क्योंकि अब कुल मतदाताओं में से लगभग 60 प्रतिशत लोगों को कोई दस्तावेज पेश करना नहीं पड़ेगा। उन्हें केवल 2003 की मतदाता सूची से अपने विवरण का सत्यापन करना होगा और भरा हुआ गणना फॉर्म जमा करना होगा। 2003 की मतदाता सूची में नाम नहीं होने पर क्या करना होगा? बयान में आगे कहा गया कि जिस किसी का नाम 2003 की बिहार मतदाता सूची में नहीं है, वे अपने माता-पिता के लिए कोई और दस्तावेज देने के बजाय 2003 मतदाता सूची के अंश का इस्तेमाल कर सकते हैं। ऐसे में मामले में उसके माता या पिता के लिए अन्य दस्तावेज जरूरी नहीं होगा, केवल 2003 ईआर का प्रासंगिक अंश/विवरण की पर्याप्त होगा।

तेलंगाना के विधायक टी राजा सिंह ने भाजपा से दिया इस्तीफा, इस वजह के चलते छोड़ी पार्टी

तेलंगाना : तेलंगाना के बीजेपी विधायक टी राजा गोशामहल विधायक और भाजपा के चर्चित नेता टी राजा सिंह ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। वे लंबे समय से विवादित बयानों के कारण चर्चा में रहे हैं। राजा सिंह ने अपने इस्तीफे की कॉपी सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए कहा कि वे केवल अपने लिए नहीं, बल्कि उन कई कार्यकताओं और समर्थकों के लिए बोल रहे हैं जो भाजपा में विश्वास रखते थे, लेकिन अब निराश हैं। कुछ दिन पहले राजा सिंह ने पार्टी नेतृत्व से अनुरोध किया था कि उन्हें तेलंगाना भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया जाए। उन्होंने कहा था कि कई कार्यकर्ता उनसे संपर्क कर इस पद पर देखना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि अगर वे अध्यक्ष बनाए गए तो पार्टी में गोरक्षा विंग की स्थापना करेंगे और हिंदुत्व को पार्टी की पहचान बनाएंगे। हालांकि, भाजपा केंद्रीय नेतृत्व ने तेलंगाना भाजपा का नया अध्यक्ष एन. रामचंदर राव नियुक्त करने का फैसला किया है। रामचंदर राव हाई कोर्ट के अधिवक्ता और पूर्व विधान परिषद सदस्य हैं, और पार्टी के अंदर विवादों से दूर रहने वाले नेता माने जाते हैं। उनकी नियुक्ति लगभग तय मानी जा रही है। इससे पहले केंद्रीय नेतृत्व द्वारा बंदी संजय, ईटाला राजेंद्र और अरविंद धर्मपुरी को भी अध्यक्ष पद के लिए संभावित माना गया था।

मराठी के ऊपर हिंदी थोपे जाने की कोशिशें बर्दाश्त नहीं की जाएगी : राज ठाकरे

महाराष्ट्र (एजेंसी): महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने सोमवार को कहा कि हिंदी व्यापक रूप से बोली जाती है, लेकिन यह अन्य राज्यों पर थोपी जाने वाली राष्ट्रीय भाषा नहीं है तथा इसे प्राचीन भाषा मराठी से ऊपर रखने का प्रयास बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मनसे और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) स्कूलों में प्राथमिक कक्षाओं के लिए तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को थोपने का विरोध करने में सबसे आगे रही हैं। महाराष्ट्र के स्कूलों में पहली कक्षा से पांचवी कक्षा तक हिंदी भाषा को शामिल करने के खिलाफ बढ़ते विरोध के बीच रविवार को राज्य सरकार ने त्रि-भाषा नीति पर सरकारी आदेश को रद्द कर दिया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने सोमवार को कहा कि हिंदी व्यापक रूप से बोली जाती है, लेकिन यह अन्य राज्यों पर थोपी जाने वाली राष्ट्रीय भाषा नहीं है

कि सरकारी आदेश को वापस ले लिया गया है और उन्होंने भाषा नीति के कार्यान्वयन और आगे की राह सुझाने के लिए शिक्षाविद् नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता में एक समिति के गठन की भी घोषणा की। राज ठाकरे ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, लोग 150 से 200 साल पुरानी हिंदी भाषा को उस मराठी से बेहतर दिखाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसका इतिहास 3,000 साल से भी ज्यादा पुराना है। यह अस्वीकार्य है और मैं यह होने नहीं दूंगा। उन्होंने ऐसी भाषाई विविधता वाले देश में हिंदी को राष्ट्रीय भाषा के रूप में प्रचारित करने की वैधता पर सवाल उठाया। मनसे प्रमुख ने कहा, हिंदी राष्ट्रभाषा नहीं है जिसे दूसरे राज्यों पर थोपा जाए। इस तरह की जबरदस्ती ठीक नहीं है।

अनिल विज का गोपाल राय और तेजस्वी यादव पर तीखा हमला, केजरीवाल पर भी कसा तंज

अंबाला (एजेंसी): हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने आम आदमी पार्टी के नेता गोपाल राय पर व्यंग्य करते हुए कहा कि चींटी चली पहाड़ चढ़ने", यानी यह असंभव प्रयास कर रहे हैं। विज ने तेजस्वी यादव को भी आड़े हाथों लिया और कहा कि वे सरकार या बोर्ड को नहीं, बल्कि संसद को चुनौती दे रहे हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर तंज कसते हुए विज ने कहा कि अगर हिम्मत है तो कोर्ट में जाकर जवाब दो। आम आदमी पार्टी नेता गोपाल राय ने प्रधानमंत्री के घर में घुसकर कब्जा करने की चेतावनी दी थी। इस पर अनिल विज ने पलटवार किया और कहा, "चींटी चली पहाड़ तोड़ने," क्या यह उनकी फितरत है? क्या किसी के घर में

घुसकर कब्जा करना शिष्टाचार है? विज ने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि वे इस फितरत को मानते हैं, लेकिन ज्यादा उछलना ठीक नहीं। RJD नेता तेजस्वी यादव ने कहा था कि अगर सरकार में हिम्मत है तो वे वक्फ बोर्ड को छू कर दिखाएं। इस पर अनिल विज ने कहा कि वक्फ बोर्ड का एक्ट संसद में पास हो चुका है, ऑनलाइन साइट भी बन गई है और सभी रिकॉर्ड उस पर दर्ज हो रहे हैं। तेजस्वी यादव वास्तव में वक्फ बोर्ड को नहीं, बल्कि संसद को चुनौती दे रहे हैं क्योंकि उनका देश की संवैधानिक संस्थाओं पर विश्वास नहीं है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री

हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने आम आदमी पार्टी के नेता गोपाल राय पर व्यंग्य करते हुए कहा कि चींटी चली पहाड़ चढ़ने...

अरविंद केजरीवाल के बयान पर कि "जब 40 लाख लोग सड़कों पर उतरेंगे, भाजपा को नानी याद आएगी," अनिल विज ने जवाब दिया कि भाजपा गरीबों के लिए काम कर रही है, उन्हें मकान दे रही है और हर शहर में रोजगार के अवसर प्रदान कर रही है। अगर कोई समस्या है, तो वह कोर्ट के आदेश से हो रही है। विज ने केजरीवाल को कहा, "अगर हिम्मत है तो कोर्ट में जाकर पूछो।"

हैदराबाद की केमिकल फैक्ट्री में ब्लास्ट: पीएम मोदी ने हादसे पर जताया दुख, किया मुआवजे का ऐलान

हैदराबाद (एजेंसी): तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में आज सुबह एक रासायनिक फैक्ट्री में हुए भयानक विस्फोट में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और दर्जन भर लोग घायल हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस हादसे पर गहरा दुख जताया और मृतकों के परिवारों को दो लाख रुपये का आर्थिक मुआवजा देने का ऐलान किया। वहीं, घायलों को 50,000 रुपए की सहायता राशि दी जाएगी। जानकारी मुताबिक, घटना सुबह लगभग 8:15 से 9:35 बजे के बीच पसमैलारम फेज-1 स्थित सिगाची फार्मा कंपनी में हुई। पुलिस को सूचना मिलने के बाद मौके पर तुरंत राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा बल (एसडीएफ) और दमकल विभाग की टीमें पहुंचीं और बचाव कार्य शुरू किया गया। मल्टी जोन- क्क के आईजी वी सत्यनारायण ने बताया कि

विस्फोट के समय कुल 150 कर्मचारी शिफ्ट में थे, जिनमें से 90 विस्फोट क्षेत्र में काम कर रहे थे। हादसे में आठ लोगों की मौत हुई है, जिनमें से छह की मौके पर मौत हुई और दो इलाज के दौरान चंदा नगर में दम तोड़ा। 26 लोग घायल हैं, जिनमें से 2-3 की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्होंने बताया कि सरकार घायल मरीजों को बेहतर इलाज मुहैया करा रही है और राहत एवं बचाव कार्य जारी है। आगे की जानकारी जल्द दी जाएगी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्विटर पर लिखा, संगारेड्डी में फैक्ट्री में हुए इस दुखद हादसे से बहुत दुखी हूँ। मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदनाएं। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजनों को 2 लाख और घायलों को 50,000 दिए जाएंगे।

राष्ट्रपति शासन के बाद भी सुलग रहा है मणिपुर? चुराचांदपुर में अज्ञात बंदूकधारियों ने चार लोगों की गोली मारकर की हत्या

मणिपुर (एजेंसी): मणिपुर अंदर ही अंदर सुलग रहा है। जहां एक तरफ अधिकारी दावा कर रहे हैं कि फरवरी में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद से मणिपुर में हिंसा में उल्लेखनीय कमी आई है, नागरिकों की मृत्यु और घायल होने की संख्या कम हुई है और नशीले पदार्थों की जब्ती में वृद्धि हुई है। मणिपुर पुलिस, असम राइफल्स और अर्धसैनिक इकाइयों सहित सुरक्षा बल मई 2023 में हिंसा के दौरान पुलिस शस्त्रागार से लूटे गए हजारों हथियारों को बरामद करने के लिए भी काम कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरह एक तस्वीर ऐसी है जहां अभी भी लोग एक दूसरे के खून के प्यासे बने बैठे है। ताजा खबर मणिपुर के चुराचांदपुर से आ रही हैं। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में अज्ञात बंदूकधारियों ने 60 वर्षीय महिला सहित कम से कम चार लोगों की सोमवार को गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घात लगाकर यह हमला मोंगजांग गांव के पास दोपहर दो बजे के आसपास हुआ जब पीड़ित एक कार में यात्रा कर रहे थे। मोंगजांग चुराचांदपुर शहर

से लगभग सात किमी दूर है। चुराचांदपुर जिला मुख्यालय के एक अधिकारी ने कहा कि प्रतीत होता है कि चारों लोगों को नजदीक से गोली मारी गई। उन्होंने कहा कि मारे गए लोगों की पहचान अभी नहीं हुई है। मौके से 12 से अधिक खाली कारतूस बरामद किए गए। किसी भी संगठन ने हमले के लिए अब तक जिम्मेदारी नहीं ली है। इलाके में पुलिस और अतिरिक्त सुरक्षा बलों को भेजा गया है। इसके अलावा इससे पहले मणिपुर के इंफाल पश्चिम और पूर्वी जिलों में सुरक्षा बलों ने विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों के तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने एक बयान में कहा कि प्रतिबंधित पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के एक उग्रवादी को रविवार को इंफाल पश्चिम जिले के लामडेंग अवांग लेईकाई से गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान युमनाम प्रेमकुमार सिंह (31) के रूप में हुई है और वह पंचायत प्रधानों और सदस्यों जैसे निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ ही जिले के निजी और सरकारी स्कूलों से वसूली में शामिल था। बयान में कहा गया है कि प्रतिबंधित संगठन पीआरईपीएके (पीआरओ) के एक सक्रिय सदस्य को शनिवार को इंफाल पश्चिम जिले के हीरांगोइथोंग से गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान कंगबाम राजू सिंह (42) के रूप में हुई है। एक अन्य केसीपी (नोयोन/एमएफएल) उग्रवादी को इंफाल पूर्वी जिले के नोंगपोक संजेनबाम खुल्लन से गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान मनोहरमयुम कबीचंद्र शर्मा उर्फ राजो के रूप में हुई है। इस बीच, बम निरोधक दल ने रविवार को बिष्णुपुर जिले के टेराखोंगशांगबी मानिंग लैथेल में लगाए गए 51 मिमी आईएलएलजी बम को सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया। जांच के लिए घटनास्थल से छर्रे जब्त कर लिए गए हैं।

जानवर जीवन धन हैं, पशु शब्द का इस्तेमाल ठीक नहीं: राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली (एजेंसी): राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि जानवरों के लिये पशु शब्द का इस्तेमाल करना ठीक नहीं है। मुर्मू ने जानवरों को जीवन धन करार दिया। राष्ट्रपति ने भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के 11वें दीक्षांत समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा, जानवरों के बिना किसान आगे नहीं बढ़ सकता, इसलिए पशु शब्द ठीक नहीं लगता। उनके बिना हम जिंदगी सोच नहीं सकते। उन्होंने कहा, हमारी संस्कृति जीव-जंतुओं में ईश्वर की उपस्थिति को देखती है। पशुओं से हमारे देवताओं और ऋषि-मुनियों का संवाद होता है। यह मान्यता भी इस सोच पर आधारित है। भगवान के कई अवतार भी इसी विशिष्ट श्रेणी में हैं मुर्मू ने जैव विविधता के महत्व को दर्शाते हुए कहा कि आईवीआरआई जैसी संस्थाओं से अपील है कि वे जैव विविधता को बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाएं और आदर्श प्रस्तुत करें। उन्होंने अपने बचपन की किस्सों का उदाहरण देते हुए कहा, हम जब छोटे थे तब बहुत सारे गिद्ध थे, लेकिन आज गिद्ध लुप्त हो गए हैं। मुर्मू ने कहा, मुझे लगता है कि गिद्ध के विलुप्त होने के पीछे पशु चिकित्सा में इस्तेमाल होने वालीं रासायनिक दवाओं की भूमिका है। बहुत सारे कारणों में यह भी एक कारण है। ऐसी दवाओं पर प्रतिबंध लगाना गिद्धों के संरक्षण की दिशा में

सराहनीय कदम है। उन्होंने दवाओं पर प्रतिबंध लगाने के लिए वैज्ञानिकों के प्रति आभार जताया और कहा, कई प्रजातियां विलुप्त हो रहीं हैं या विलुप्त होने की कगार पर हैं। इन प्रजातियों का संरक्षण पर्यावरण संतुलन के लिए बहुत ही आवश्यक है। आईवीआरआई जैसे संस्थाओं से अपील है कि वे जैव विविधता को

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि जानवरों के लिये पशु शब्द का इस्तेमाल करना ठीक नहीं है।

बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाएं और आदर्श प्रस्तुत करें। मुर्मू ने समारोह में मौजूद विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, आज पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में छात्राओं की बड़ी संख्या देखकर काफी गर्व महसूस कर रही हूं। बेटियां अन्य क्षेत्रों की तरफ पशु चिकित्सा क्षेत्र में भी आगे आ रही हैं, यह बहुत ही शुभ संकेत है। मुर्मू ने महिलाओं से आगे आने का आह्वान करते हुए कहा कि गांवों में पशुओं, गायों की सेवा मां-बहनें करती थीं, क्योंकि माता-बहनों से उनका जुड़ाव है। राष्ट्रपति ने कहा, आप (विद्यार्थियों) सबने बेजुबान पशुओं की चिकित्सा को करियर के रूप में चुना है और मैं चाहती हूं कि आपमें कल्याण की भावना बनी रहे और मुझे विश्वास है कि भविष्य में भी इसी मूल भावना से कार्य करते रहेंगे। राष्ट्रपति ने कहा, मेरी सलाह है कि जब भी आपके सामने दुविधा का क्षण आए, आप उन बेजुबान पशुओं के बारे में सोचिए जिनके कल्याण के लिए आपने शिक्षा ग्रहण की है, आपको सही मार्ग जरूर दिखाई देगा। उन्होंने पशु चिकित्सा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में आधुनिक प्रौद्योगिकी के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, प्रौद्योगिकी अन्य क्षेत्रों की तरह पशु चिकित्सा एवं देखभाल में भी क्रांतिकारी परिवर्तन लाने की क्षमता रखती है। प्रौद्योगिकी के प्रयोग से देशभर के पशु चिकित्सकों को सशक्त बनाया जा सकता है। जीनोम अनुक्रमण, एंब्रियो ट्रांसफर टेक्नोलॉजी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी प्रौद्योगिकी के प्रयोग से इस क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाए जा सकते हैं।

हिंदी दैनिक
सब का सपना

अमरोहा
मंगलवार- 01 जुलाई 2025
www.sabkasapna.com

संपादकीय

बेवजह का विवाद

लोकतंत्र में संविधान किसी देश की आत्मा का दस्तावेज होता है। इसमें दर्ज एक-एक शब्द सरकार के लिए अपनी जनता के साथ व्यवहार के तौर-तरीके तय करने वाला होता है। भारत में संविधान को अत्यंत पवित्र माना जाता है, और इसकी प्रस्तावना तक में कोई शाब्दिक जोड़ घटाव पर भी विवाद हो सकता है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मानें तो संविधान की प्रस्तावना परिवर्तनशील नहीं है, लेकिन भारत में आपातकाल के दौरान इसे बदल दिया गया। उपराष्ट्रपति ने एक पुस्तक विमोचन समारोह में इस कार्य को संविधान निर्माताओं की बुद्धिमत्ता के साथ विश्वासघात और नासूर की संज्ञा दी। ज्ञात हो कि 1976 में कांग्रेस सरकार ने प्रस्तावना में 42वें संविधान (संशोधन) के जरिए ह्यसमाजवादीह्व, ह्यधर्मनिरपेक्षह्व और ह्यअखंडताह्व शब्द जोड़े थे। उपराष्ट्रपति के अनुसार जोड़े गए शब्द उथल-पुथल पैदा कर सकते हैं। यह सनातन की भावना का अपमान है। उपराष्ट्रपति के अनुसार, भारत के अलावा किसी दूसरे देश में संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं किया गया। भारत में यह काम तब किया गया जब विपक्ष के प्रमुख नेता जेल में थे और इसका कोई औचित्य नहीं था। सबसे अहम बात जो उन्होंने की वह यह कि हमें इस पर विचार करना चाहिए। धनखड़ की यह टिप्पणी ऐसे वक्त में आई है जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नेता दत्तात्रेय होसबोले ने इसी हफ्ते संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए ह्यसमाजवादीह्व और ह्यधर्मनिरपेक्षह्व शब्दों की समीक्षा का आह्वान किया है। आरएसएस का कहना है कि ये शब्द कभी भी अंबेडकर द्वारा तैयार संविधान का हिस्सा नहीं थे। होसबोले के बयान से राजनीतिक विवाद की स्थिति पैदा हो गई है। संघ का तर्क है कि होसबोले का मंतव्य संविधान की ह्यमूल भावनाह्व को बहाल करने के बारे में है। यहां सवाल उठता है कि 42वें संविधान संशोधन के लगभग 59 साल बाद इस बारे में विवाद का क्या मतलब है? संविधान की प्रस्तावना इसकी मूल भावना को कतई कमजोर नहीं कर सकती। देखा जाए तो सरकार जनता की भलाई के रास्ते पर ही तो चलती है। कोई राजनीतिक विचारधारा इन शब्दों से सहमत हो या न हो लेकिन काम तो इन्हीं सिद्धांतों के आधार पर ही करती है। वर्तमान भाजपा गठबंधन सरकार की नीति भी तो सबकी भलाई और उन्नति ही है। यह वक्त विवाद खड़ा करने नहीं अपितु संविधान पर ईमानदारी से अमल करने का है। जिन शब्दों के जोड़ने से आज तक कुछ नहीं बिगड़ा, वो हटाए जाने की सूरत में काफी कुछ बिगाड़ सकते हैं।

चिंतन-मनन

उसका अभिमान नाश कर के छोड़ता है

जब व्यक्ति अपार धन-दौलत और आलीशान भवनों का मालिक हो जाता है तो वह स्वयं को औरों से अलग महसूस करने लगता है। ऊंचेपन की भावना के कारण वह किसी को कुछ नहीं समझता। यही भाव अभिमान है जो उसके रोम-रोम से दिखाई देता है। इस स्थिति में शेष लोग उसके लिए अवशेष हो जाते हैं। सिक्खों के पंचम गुरु अर्जन देव जी ने अपनी रचना में ऐसे लोगों को मूर्ख, अंधा व अज्ञानी माना है। जब ऐसी स्थिति आ जाती है तो वह अराजक होकर अत्याचार पर उतारू हो जाता है। गरीब और कमजोर उसके शिकार होते हैं। गुरु अर्जन देव ने अपने समय में ऐसे अत्याचारों को देखा और सामना भी किया। उनके अनुसार व्यक्ति कितना भी ऊंचा क्यों न हो जाए, अभिमान उसका नाश करके ही छोड़ता है। हृदय में गरीबी यानी विनम्रता का वास जरूरी है। इससे सारे लोकों में सुखों की प्राप्ति होती है। उन्होंने इन पवित्र विचारों को अपनी कालजयी रचना सुखमनी साहिब में यूं लिखा है-जिस कै हिरदै गरीबी बसावै। नानक ईहा मुकतु आगै सुखु पावै।

वास्तव में अभिमान निर्माण का नहीं, विनाश का लक्षण है। व्यक्ति स्वयं को महत्ता देने लगता है। अपनी अराजकता से वह आस-पास के लोगों को भी संप्रमित कर देता है। इसी आग में विकास डूबकर विनाश में परिवर्तित हो जाता है। प्राचीन काल में रावण, कंस, कौरव आदि अभिमान के ही मिथ्या जाल में फंसे थे। धार्मिक हों या राजनीतिक, आज भी कई समूह उसी राह पर बढ़ रहे हैं। अभिमान इन्हें गिरावट का ही ग्राफ दिखा रहा है, बढ़ने का नहीं। गुरु अर्जन देव के अनुसार अगर ऐसे विनाशकारी भाव से बचना है तो अपने आचार-व्यवहार में नम्रता को प्रथम स्थान देना होगा। उन्होंने आगे नम्रता को लाने का उपाय भी बताया है। अमीरी हो या गरीबी, हर हाल में व्यक्ति को उस अकाल शक्ति के निकट स्वयं को महसूस करना चाहिए-सदा निकटि निकटि हरि जानु।

चिंतन-मनन

आत्मबल के लिए

एक गरीब बुढ़िया थी। अपनी झोपड़ी में अकेली रहती थी। उसके पास एक गाय थी। बस उसी के सहारे वह अपना जीवन निर्वाह करती थी। पर्युषण पर्व चल रहा था। वह अपनी झोपड़ी में बैठी-बैठी रोज देखती थी कि गांव के लोग बहुत ठाट-बाट से पूजा की थाल और प्रसाद आदि लेकर लिए मंदिर जा रहे हैं। उन्हें देख कर बुढ़िया सोचती थी, मैं इतनी ठाट से पूजा नहीं कर सकती, मेरे पास पर्याप्त साधन नहीं है। पूजा की इच्छा दब जाती। एक दिन उसने सोचा, यदि पूजा नहीं कर सकती तो आरती तो कर सकती हूं। बस, यह सोच कर वह उठी, अपनी गाय के दूध से निकाला हुआ घी लिया। पड़ोसी के एक कपास के खेत में से थोड़ी-सी रूई ले आई। एक मिट्टी के दीपक में आरती संजोकर चल दी मंदिर की ओर। अत्यंत श्रद्धा भक्ति से उसने आरती की, जिसके परिणाम स्वरूप आगामी भव में उसे अत्यंत ज्ञानी मुनिराज की पर्याय प्राप्त हुई। न कोई उपवास, न कोई व्रत, केवल पवित्र भावना, श्रद्धा और भक्ति से उसे यह प्राप्त हुआ। किसी शक्तिहीन व्रती प्राणी का उपहास मत कीजिए। संभव है, उसमें शक्ति की अल्पता हो पर भक्ति की प्रबलता हो। कोई छोटा बच्चा पवित्र भावना लेकर व्रत करना चाहता है, तो उसे रोकिए मत, करने दीजिए। उसकी भावनाओं को खंडित मत कीजिए, ठेस मत पहुंचाइए। बल्कि उसे व्रत के वास्तविक उद्देश्य को समझा कर उसके इरादे को और दृढ़ बनाइए। तप के मार्ग को सामान्य मत समझिए। कुछ लोग कहते हैं, तप में क्या रखा है? बेकार है? व्यर्थ है। ऐसा वे लोग कहते हैं जिनमें पुरुषार्थ का अभाव है। जो स्वयं पालन नहीं कर सके, उन्हें कहना चाहिए हम तो नहीं कर पाते, पर आप कर रहे हैं, यह अच्छी बात है। आपका कल्याण हो। उसके प्रति कम से कम अपनी भावनाएं पवित्र रखनी चाहिए। तप की सबसे बड़ी पूंजी आत्मशक्ति की उत्पत्ति है। इस आत्मशक्ति के माध्यम से हमारे में विरोध में भी जीने का साहस उत्पन्न होता है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

रोगी के लिये स्वस्थ जीवन की मुस्कान देते हैं डॉक्टर्स

ललित गर्ग

स्वस्थ जीवन हर किसी की सर्वोच्च जीवन प्राथमिकता होता है। कहा भी गया है कि, 'सेहत सबसे बड़ी पूंजी' है। स्वस्थ व्यक्ति ही जीवन को सही तरह से एन्जॉय करते हुए उसे सफल एवं सार्थक बना सकता है और इसमें डॉक्टर्स की भूमिका बहुत अहम होती है। छोटी-बड़ी हर तरह की बीमारियों को डॉक्टर्स की मदद से ठीक किया जा सकता है। शायद इसलिए ही इन्हें भगवान का दर्जा मिला हुआ है। राष्ट्रीय डॉक्टर्स दिवस प्रसिद्ध डॉक्टर और बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री डॉ. बिधानचंद्र राय के सम्मान में मनाया जाता है। वैसे तो दुनियाभर के अलग-अलग देशों में डॉक्टर्स डे को अलग-अलग दिन मनाया जाता है, लेकिन भारत में इस दिन को 1 जुलाई को इसलिये मनाया जाता है क्योंकि 1 जुलाई 1882 में भारत के प्रसिद्ध फिजीशियन डॉ. राय का जन्म हुआ था और उनका निधन भी 1 जुलाई को ही साल 1962 में हुआ था। चिकित्सा क्षेत्र में उनके योगदान को सम्मान देने के मकसद से डॉक्टर्स डे मनाने की शुरूआत की गई थी। यह दिन उन डॉक्टरों को समर्पित होता है जो हमारी सेहत का ध्यान रखते हुए हमें नया जीवनदान देते हैं। साथ ही हमें बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। हल्का सा भी हम अगर बीमार पड़ते हैं तो तुरंत ही डॉक्टर के पास भागते हैं।

2025 की थीम है 'मास्क के पीछेः देखभाल करने वालों की देखभाल' उन लोगों की देखभाल की आवश्यकता को उजागर करती है जो हमारी देखभाल करते हैं। यह थीम इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित करती है कि दूसरों की सेवा करते समय, डॉक्टर अक्सर अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की उपेक्षा करते हैं। इस थीम का उद्देश्य बेहतर कार्य परिस्थितियां, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और समाज से उनके लिए उचित सम्मान सुनिश्चित करना है। बहुत से लोग इस दिन का उपयोग अपने देश में डॉक्टर्स द्वारा किए गए अद्भुत कार्यों का सम्मान करने के लिए करते हैं। एक डॉक्टर मरीज को स्वस्थ करते हुए आशा नहीं खोता-वह हर चुनौती का जोरदार मुस्कान के साथ सामना करता है, चाहे परेशानी एवं बीमारी कितनी भी गंभीर क्यों न हो। वास्तव में डॉक्टर्स की निःस्वार्थता एवं सेवाभावना उन्हें रोगियों के लिए स्वर्गदूत बनाती है, एक फरिश्ते के रूप में वे जीवन का आश्वासन बनते हैं और उनका बलिदान-योगदान उन्हें मानवीय सेवा का योद्धा बनाता है। डॉक्टर्स डे डॉक्टरों द्वारा समुदायों के उपचार, सुरक्षा और समर्थन में अक्सर बड़ी व्यक्तिगत कीमत पर निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका का सम्मान करता है। डॉक्टर्स न केवल महामारी या संकट के दौरान बल्कि हर दिन, गांवों, कस्बों और शहरों में मेडिकल प्रोफेशनल्स द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका की सार्वजनिक स्वीकृति के रूप में कार्य करता है। सामान्य चिकित्सकों से लेकर विशेषज्ञों और सर्जनों तक, यह दिन उन सभी का सम्मान करता है जिन्होंने उपचार और सेवा करने की शपथ ली है। इस दिवस पर मरीज और समुदाय भी कृतज्ञता और आशा की कहानियां साझा करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा ले रहे हैं। जैसाकि भारत नई सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना कर रहा है, राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस एक उत्सव और एक ऐसी प्रणाली बनाने के लिए कार्रवाई का आह्वान है, जहां डॉक्टरों को न केवल देखभाल करने वाले के रूप में सम्मानित किया जाता है, बल्कि बदले में उनकी सुरक्षा, सम्मान और देखभाल भी की जाती है। डॉक्टर कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाते हैं जो सिर्फ बीमारी का निदान और उपचार करने से कहीं आगे तक फैली हुई हैं। उनके काम में चिकित्सा ज्ञान, चिकित्सा नवाचार, संचार और करुणा का संयोजन शामिल है ताकि रोगियों को पूरी तरह से सहायता मिल सके, नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में उनकी सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है।

डॉक्टरों की भूमिकाएं उनके काम करने के स्थान के आधार पर अलग-अलग होती हैं। अस्पतालों में, वे विशेष उपचार या आपातकालीन देखभाल पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। क्लीनिकों और ग्रामीण केंद्रों में, वे अक्सर सामान्य स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि चिकित्सा सहायता दूरदराज के क्षेत्रों में लोगों तक पहुँचे। इन विविध जिम्मेदारियों के माध्यम से, डॉक्टर व्यक्तिगत और सार्वजनिक स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, तथा हर दिन सकारात्मक बदलाव लाते हैं। भारत चिकित्सा नवाचार और प्रौद्योगिकी में वैश्विक नेता है। भारत देश केवल एक विशाल आबादी वाला देश नहीं है, बल्कि इसने चिकित्सा-क्रांति को घटित करते हुए दुनिया में चिकित्सा-सेवा के नये दीप प्रज्वलित किये हैं। डॉक्टर बनना आसान नहीं है, फिर भी आप इसे बड़ी सहजता से और हमेशा मुस्कुराते हुए करते हैं। हर कोई डॉक्टर नहीं बन सकता क्योंकि हर किसी के पास मरीजों को निस्वार्थ भाव से अपनी सेवाएं देने के लिए ज्ञान, कौशल और धैर्य नहीं होता।

हर बीमारी के लिये एक एक्सपर्ट होता है। अगर आपको सर्दी-जुकाम, खांसी, बुखार या फिर मौसमी बीमारी ने जकड़ लिया है तो आपको फिजिशिनय या जनरल फिजिशियन से मिलना चाहिए। वहीं आंख, कान, नाक, टॉन्सिल, सिर या गर्दन की समस्या के लिये ईएनटी स्पेशलिस्ट होते हैं। ये साइनस का भी इलाज करते हैं। अगर आपको दिल से जुड़ी कोई दिक्कत है तो कार्डियोलॉजिस्ट के पास जाना बेहतर होता है। कोलेस्ट्रॉल लेवल के बढ़ने पर आप इन डॉक्टर के पास जाएं। इसके अलावा अगर आप तनाव में रहते हैं तो साइकोलॉजिस्ट से मिलना होता है। कैंसर की बीमारी के लिये आपको ओन्कोनोजिस्ट के पास जाना चाहिए। अगर आपको आंखों में कोई समस्या है, जलन, खुजली, रेडनेस या इन्फेक्शन से जूझ रहे हैं तो इसके लिए नेत्र रोग विशेषज्ञ के पास जाएं। प्रेग्नेंसी से लेकर डिलीवरी, या फिर ब्रेस्ट, यूटीआई, पीरयड्स, की समस्या हो रही है तो गायनोकोलॉजिस्ट की मदद लें। दिमागी बीमारी के लिये न्यूरोलॉजिस्ट के पास जाने की सलाह दी जाती है। कई बार सही डॉक्टर से समय पर इलाज न मिलने की वजह से भी बीमारी और बढ़ जाती है। शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं मानवीयता जैसे सभी पहलुओं के माध्यम से रोगी की देखभाल करने एवं उनको स्वस्थ बनाने के लिए अनुभवी एवं विशेषज्ञ डाक्टरों की सेवाएं वरदान है। डॉक्टर्स भगवान का रूप होते है, वे ही इंसान के जन्म के पहले साक्षी बनते हैं और उनमें करुणा एवं स्वस्थता का बीज बोते है। एक रोगी को स्वस्थ करने में वे अपना सब कुछ हंसते हुए दे देते हैं, चाहे उनका अपना पारिवारिक सुख हो, करियर हो, जीवन की खुशियां हो या सपने हों, सबकुछ झोंक देते है।

डॉक्टर्स अपने सुख-दुख को त्याग कर मरीजों के लिए जीते हैं, समाज को रोगमुक्त रखने में अहम भूमिका निभाते हैं, कोविड संक्रमण के दौरान डॉक्टर्स ही थे, जो एक योद्धा की तरह हर मुश्किल घड़ी में अपनी जान की परवाह किये बिना मरीजों के साथ घंटों लगातार ड्यूटी कर रहे थे। कई डॉक्टर्स ने अपनी जान भी गंवा दी। इन डॉक्टर्स के बलिदान को भी आज के दिन याद किया जाता है। डॉक्टरों की सेवाएं बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे बीमारियों का निदान, उपचार और रोकथाम करते हैं, जिससे लोगों का स्वास्थ्य और कल्याण सुनिश्चित होता है। वे आपातकालीन स्थितियों में जीवन रक्षक सहायता प्रदान करते हैं और बीमारियों के बारे में जागरूकता फैलाते हैं। डॉक्टर लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के बारे में शिक्षित करते हैं, जिससे वे अपनी बीमारियों को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं और उनका प्रबंधन कर सकते हैं। डॉक्टर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोगों को सहायता और उपचार प्रदान करते हैं। डॉक्टर स्वास्थ्य अभियानों और कार्यक्रमों में भाग लेकर समुदायों में स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डॉक्टर स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का एक अभिन्न अंग हैं और समाज के समग्र कल्याण में योगदान करते हैं। आम दिन हो या महामारियों के खिलाफ जंग, ये डॉक्टर्स बिना किसी डर के सहजता और उत्साह से अपने कर्तव्य का पालन करते हैं। इसलिए नहीं कि यह उनका काम है और उसके लिए उन्हें पैसे मिलते हैं। इसलिए कि वे सबसे पहले दूसरों के स्वस्थ होने और उनकी जान की फिक्र करते हैं, ऐसी मानवीय सेवाएं देने वाले इन डॉक्टर्स रूपी अद्भुत फरिश्तों के सम्मान, कल्याण एवं प्रोत्साहन का चिन्तन अपेक्षित है। उससे निश्चित ही डॉक्टर्स की सेवाएं अधिक सक्षम, प्रभावी एवं मानवीय होकर सामने आयेगी।

साइबर अपराध : डेटा लीक के खतरे अनंत

कुमार समीर

समय के साथ साइबर क्राइम करने वालों ने अपने तौर-तरीकों में भी बदलाव किया है। कहा तो यहां तक जाने लगा है कि इससे कोई नहीं बच सकता। चाहे किसी ने चूक की हो या नहीं। इसकी पहुंच का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इन लोगों ने साइबर क्राइम पुलिस तक को नहीं छोड़ा है। इन लोगों का दुस्साहस देखें कि जूनागढ़ साइबर क्राइम पुलिस की ईमेल आईडी हैक कर बैंक में फ्रीज रकम को अनफ्रीज करने तक की कोशिश की गई। हालांकि इस धोखाधड़ी की योजना तब फेल हो गई जब ईमेल में विषय (सब्जेक्ट) वाला स्थान खाली मिला जिससे बैंक को शक हुआ और उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचित किया। गनीमत रही कि एक छोटी सी चूक के कारण अपराधी पकड़ में आ गया लेकिन ऐसे कई मामले हैं, जिनमें साइबर क्राइम करने वाले सफल रहे हैं। ताजा मामला देश की राजधानी दिल्ली से सटे नोएडा का है। यहां फर्जी ईमेल आईडी के जरिए एक अस्पताल के कर्मचारी ने दिल्ली नगर निगम से कैशलेस इलाज के 74.90 लाख रु पये अस्पताल के अकाउंट में डलवाने की बजाय अपने अकाउंट में डलवा लिए। मामला साइबर क्राइम पुलिस के पास है, और वह इसकी जांच कर रही है। ये दो मामले तो बानगी हैं, लेकिन अगर करोड़ों अकाउंट्स के पासवर्ड चोरी कर लिया जाए तो फिर क्या स्थिति होगी, इसका अंदाजा लगाने भर से सिहरन पैदा होने लगेगी कि कहीं हमारे अकाउंट्स का पासवर्ड भी चोरी न हो गया हो। जी हां, इस तरह का एक बड़े डेटा लीक का नया मामला सामने आया है। इसमें लगभग 1600 करोड़ पासवर्ड के लीक होने की बात है, और इसने इसे इतिहास के सबसे बड़े डेटा लीक में से एक बना दिया है। साइबर न्यूज और फोर्ब्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इस लीक की वजह से लाखों यूजर्स का पर्सनल डेटा अब रिस्क पर है। इन पासवड्र्स की मदद से साइबर अपराधी यूजर्स की निजी जानकारी, फोटो, वीडियो और दूसरी जानकारी चुरा सकते हैं यानी फिशिंग स्कैम, डेटा चोरी और अकाउंट्स हैकिंग का खतरा हो सकता है। इस डेटा की मदद से साइबर अपराध के जोखिम कई गुना बढ़ सकते हैं। रिसर्चर्स ने इस डेटाबेस को खंगाला है, और इसके 30 डेटासेट की जांच की है। उन्हें करीब 350 करोड़ रिकार्ड मिले हैं, जिनमें कॉरपोरेट और डवलपर प्लेटफार्म, वीपीएन लॉगिंग और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के यूजर्स के क्रेडेंशियल शामिल हैं। यह डेटा 2025 की शुरूआत से लेकर आज तक का है। रिसर्चर्स का दावा है कि ऑनलाइन लीक हुआ यह डेटा साधारण नहीं है। सिक्योरिटी रिसर्चर्स का भी कहना है कि यह इंटरनेट पर पड़ा पुराना डेटा नहीं है। ज्यादातर डेटा नया है जिन्हें..मैलवेयर के जरिए इकठ्ठा किया गया है। यह मैलवेयर प्रोग्राम लोगों का डेटा चुपके से चुराता है। चोरी के इस डेटा में यूजरनेम और पासवर्ड होते हैं, जिन्हें मैलवेयर यूजर्स के फोन से चुराकर हैकर को भेजता है। हैकर्स इस डेटा का सीधे इस्तेमाल कर सकते हैं, या फिर इन्हें डार्क वेब फोरम पर बेच सकते हैं। रिपोट्र्स की मानें तो लीक हुए डेटा में यूजर्स की डिटेल्स इनफार्मेशन हैं, जो अलग-अलग सर्विसेस के लिए हैं। इनमें यूजर्स के ईमेल से लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे फेसबुक, गूगल और टेलीग्राम तक की डिटेल्स हैं। यहां तक कि इनमें..पर डवलपर्स की अकाउंट्स डिटेल्स और कुछ सरकारी पोर्टल्स की भी जानकारी है। ज्यादातर जानकारी को एक फॉर्मेट में आगेर्नाइज किया गया है, जिसमें वेबसाइट लिंक, इसके बाद यूजरनेम और पासवर्ड लिखा है। इसकी वजह से साइबर अटैकर्स के लिए इनका इस्तेमाल आसान हो जाता है। एक्सपट्र्स इस लीक को ग्लोबल साइबर क्राइम का

ब्ल्यूप्रिंट बता रहे हैं। इसे देखते हुए ही गूगल ने अपने यूजर्स को सलाह तक दे डाली है। गूगल ने अपने यूजर्स को 2-फैक्टर आर्थेटिकेशन..एक्टिव करने की सलाह दी है। साथ ही, उसने अपने यूजर्स को पासवड्र्स अपडेट करने को भी कहा है। गूगल का यूजर्स को यह भी कहना है कि उन्हें अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स की बेहतर सुरक्षा के लिए ..फीचर का यूज करना चाहिए। पासकी से लॉगइन के लिए बायोमेट्रिक आर्थेटिकेशन की जरूरत होती है, जिससे यह डबल सेफ्टी प्रदान करता है यानी आपको तुरंत ही अपना पासवर्ड बदल देना चाहिए। इसके अलावा अपने अकाउंट्स के लिए टू फेक्टर आर्थेटिकेशन भी ऑन कर लें और पासवर्ड मैसेज का इस्तेमाल भी करें।

भारत की आर्थिक प्रगति में अब तो ईश्वर भी सहयोग कर रहा है

कुछ दिनों पूर्व भारत में दो विशेष घटनाएं हुईं, परंतु देश के मीडिया में उनका पर्याप्त वर्णन होता हुआ दिखाई नहीं दिया है। प्रथम, भारत के अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के क्षेत्र में कच्चे तेल के अपार भंडार होने का पता लगा है, कहा जा रहा है कि कच्चे तेल का यह भंडार इतनी भारी मात्रा में है कि भारत, कच्चे तेल सम्बंधी, न केवल अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर पाएगा बल्कि कच्चे तेल का निर्यात करने की स्थिति में भी आ जाएगा। यदि भारत को कच्चे तेल की उपलब्धि पर्याप्त मात्रा में हो जाती है तो इसका प्रसंस्करण कर, डीजल एवं पेट्रोल के रूप में, पूरी दुनिया की खपत को पूरा करने की क्षमता को भी भारत विकसित कर सकता है। भारत में विश्व की सबसे बड़ी रिफाइनरी गुजरात के जामनगर में पूर्व में ही स्थापित है। अतः कच्चे तेल के साथ साथ डीजल एवं पेट्रोल का भी भारत सबसे बड़ा निर्यातक देश बन सकता है। जैसा कि दावा किया जा रहा है, यदि यह दावा सच्चाई के धरातल पर खरा उतरता है तो आगे आने वाले समय में भारत का विश्व में पुनः ह्लसोने की चिड़ियाह्व बनना लगभग तय है। भारत आज पूरे विश्व में कच्चे तेल का चीन एवं अमेरिका के बाद सबसे बड़ा आयातक देश है और विदेशी व्यापार के अंतर्गत भी कच्चे तेल के आयात पर ही सबसे अधिक विदेशी मुद्रा खर्च हो रही है। कच्चे तेल का उत्पादन यदि भारत में ही होने लगता है तो न केवल इसके आयात पर होने वाले भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा के खर्च को बचाया जा सकेगा बल्कि पेट्रोल एवं डीजल के निर्यात से विदेशी मुद्रा का भारी मात्रा में अर्जन भी किया जा सकेगा। जिसके कारण, भारत में विदेशी मुद्रा के भंडार में अतुलनीय बचत एवं संचय होता हुआ दिखाई देगा और इस प्रकार भारत विश्व में विदेशी मुद्रा का सबसे बड़ा संचयक देश बन सकता है।

वर्तमान में भारत कच्चे तेल की अपनी कुल आवश्यकता का 85 प्रतिशत से अधिक हिस्सा लगभग 42 देशों से प्रतिवर्ष आयात करता है। भारत कच्चे तेल की अपनी कुल खरीद का 46 प्रतिशत हिस्सा पश्चिम एशिया के देशों से आयात करता है। वर्तमान में भारत द्वारा कच्चे तेल एवं गैस के आयात पर 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि खर्च प्रतिवर्ष किया जा रहा है।

भारत सरकार के पेट्रोलीयम मंत्री श्री हरदीपसिंह जी पुरी ने जानकारी प्रदान की है कि अंडमान एवं निकोबार के समुद्री क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस का बहुत बड़ा भंडार मिला है। एक अनुमान के अनुसार यह भंडार 12 अरब बैरल (2 लाख करोड़ लीटर) का हो सकता है जो हाल ही में गुयाना

में मिले कच्चे तेल के भंडार जितना ही बड़ा है। गुयाना में 11.6 अरब बैरल कच्चे तेल एवं गैस के भंडार पाए गए है। इस भंडार के बाद गुयाना कच्चे तेल के उत्पादन के मामले में विश्व में शीर्ष स्थान पर पहुंच सकता है जबकि अभी गुयाना का विश्व में 17वां स्थान है।

वर्ष 1947 में प्राप्त हुई राजनैतिक स्वतंत्रता के बाद के लगभग 70 वर्षों तक भारत की समुद्री सीमा की क्षमता का उपयोग करने का गम्भीर प्रयास किया ही नहीं गया था। हाल ही में भारत सरकार द्वारा इस संदर्भ में किए गए प्रयास सफल होते हुए दिखाई दे रहे हैं। अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के समुद्री क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस के भारी मात्रा में जो भंडार मिले हैं उनका अन्वेषण का कार्य समाप्त हो चुका है एवं अब ड्रिलिंग का कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है। ड्रिलिंग का कार्य समाप्त होने के बाद कच्चे तेल एवं गैस के भंडारण का सही आंकलन पूर्ण कर लिया जाएगा। अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में आधारभूत संरचना का विकास भी बहुत तेज गति से किया जा रहा है। इंडोनेशिया के सुमात्रा क्षेत्र के समुद्रीय इलाकों से भी भारी मात्रा में कच्चा तेल निकाला जा रहा है तथा भारत का अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह भी इंडोनेशिया से कुछ ही दूरी पर स्थित है। इसके कारण यह आंकलन किया जा रहा है कि अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के समुद्रीय क्षेत्र में भी कच्चे तेल एवं गैस के अपार भंडार मौजूद हो सकते है। हर्ष का विषय यह भी है कि इस क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस के साथ साथ अन्य दुर्लभ भौतिक खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल/मेटल) के भारी मात्रा में मिलने की सम्भावना भी व्यक्त की जा रही है। भारी मात्रा में मिलने जा रहे कच्चे तेल के चलते भारत अपनी परिष्करण क्षमता को बढ़ाने पर विचार कर रहा है। चूंकि चीन ने कुछ दुर्लभ भौतिक खनिज पदार्थों का भारत को निर्यात करना बंद कर दिया है अतः भारत के अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में इन पदार्थों का मिलना भारत के लिए बहुत बड़ी खुशखबर है। पूर्व में भी भारत में कच्चे तेल एवं गैस के भंडार का पता चला था, जैसे बॉम्बे हाई, काकीनाड़ा, बलिया एवं समस्तिपुर, आदि। इन समस्त स्थानों पर कच्चे तेल को निकालने के संबंच में आवश्यक कार्य प्रारम्भ हो चुका है। दरअसल, इस कार्य में पूंजीगत खर्च बहुत अधिक मात्रा में होता है। जापान, रूस एवं अमेरिका से तकनीकी सहायता प्राप्त करने के लिए इन देशों की बड़ी कम्पनियों के साथ करार करने के प्रयास भी भारत सरकार द्वारा किए जा रहे हैं। भारत का समुद्रीय क्षेत्र 5 लाख किलोमीटर का है। इसी प्रकार, पश्चिम बंगाल के समुद्रीय इलाके में भी खोज जारी है एवं इस क्षेत्र में भी कच्चे तेल एवं गैस के भंडार मिलने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। अंडमान एवं निकोबार क्षेत्र में कच्चे तेल का उत्पादन प्रारम्भ होने के पश्चात आगामी लगभग 70 वर्षों तक भारत को कच्चे तेल के आयात की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

द्वितीय शुभ समाचार यह प्राप्त हुआ है कि भारत के कर्नाटक राज्य में कोलार क्षेत्र में स्थित अपनी सोने की खदानों में भारत एक बार पुनः खनन की प्रक्रिया को प्रारम्भ करने के सम्बंध में विचार कर रहा है। कोलार गोल्ड फील्ड (ङ्क्रद्ध) को वर्ष 2001 में खनन की दृष्टि से बंद कर दिया गया था। परंतु, अब 25 वर्ष पश्चात स्वर्ण की इन खदानों में खनन की प्रक्रिया को पुनः प्रारम्भ किए जाने के प्रयास किए जा रहे है। इस संदर्भ में कर्नाटक सरकार ने भी अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है। आज पूरे विश्व में सोने की कीमतें आसमान छूते हुए दिखाई दे रही है और विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक अपने सोने के भंडार में वृद्धि करते हुए दिखाई दे रहे हैं क्योंकि अमेरिकी डॉलर पर इन देशों का विश्वास कुछ कम होता जा रहा है। बहुत सम्भव है कि आगे आने वाले समय में अमेरिकी डॉलर के बाद एक बार पुनः स्वर्ण मुद्राएं ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाले व्यापार के भुगतान का माध्यम बनें। ऐसे समय में भारत के कोलार क्षेत्र में स्थित स्वर्ण की खदानों में एक बार पुनः खनन की प्रक्रिया को प्रारम्भ करना एक अति महत्वपूर्ण निर्णय कहा जा सकता है। कोलार स्थित स्वर्ण की इन खदानों में 750 किलोग्राम स्वर्ण की प्राप्ति की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। प्राचीन काल में कोलार गोल्ड फील्ड को गोल्डन सिटी आफ इंडिया कहा जाता था। प्राचीन काल में में भारत को 'सोने की चिड़िया' कहा जाता था। एक अनुमान के अनुसार, भारतीय महिलाओं के पास 25,000 से 26,000 टन स्वर्ण का भंडार है। यह भी कहा जा रहा है कि भारत की महिलाओं के पास स्वर्ण का जितना भंडार है लगभग उतना ही भंडार पूरे विश्व में अन्य देशों के पास है। अर्थात, पूरे विश्व में उपलब्ध स्वर्ण का आधा भाग भारतीय महिलाओं के पास आज भी उपलब्ध है। ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत में स्थापित अपनी सत्ता के खंडकाल के दौरान लगभग 900 टन स्वर्ण, कोलार की खदानों से निकालकर, ब्रिटेन लेकर जाया गया था। भारत की केंद्रीय बैंक, भारतीय रिजर्व बैंक, के पास आज 880 टन स्वर्ण के भंडार हैं, जो कि भारत के 69,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर के विदेशी मुद्रा भंडार का 12 प्रतिशत हिस्सा है। हाल ही के समय में विदेशी निवेशकों का भारत पर विश्वास बढ़ा है अतः भारत का स्वर्णिम काल पुनः प्रारम्भ हो रहा है। विश्व के विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों के पास आज 36,000 टन स्वर्ण का भंडार हैं, जबकि इनमे से कई देशों के केंद्रीय बैंक अभी भी स्वर्ण की खरीदी करते जा रहे हैं। स्वर्ण भंडार की दृष्टि से भारत का आज विश्व में 8वां स्थान है।

परिषदीय स्कूलों के एकीकरण का संघ ने किया विरोध

एकीकरण से मिलेगा निजी विद्यालयों को बढ़ावा

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की ब्लॉक स्तरीय एक बैठक ब्लाक संसाधन केंद्र चन्दनपुर खादर पर आयोजित की गई।जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष यशपाल सिंह ने की और संचालन ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह ने किया। बैठक में स्कूलों के एकीकरण को लेकर विरोध प्रदर्शन भी किया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष यशपाल सिंह ने कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग के 50 से काम छात्र संख्या वाले स्कूलों को पास के विद्यालयों में मर्ज कर एकीकरण किया जा रहा है।जिसका उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ पुरजोर विरोध करता है।कहा कि प्राथमिक विद्यालयों को मर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं जो सरासर गलत है। विद्यालय मर्ज होने से गरीब मजदूर

लोगों के बच्चे शिक्षा से वंचित हो जाएंगे। ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह ने कहा कि बेसिक शिक्षा परिषद के कम छात्रों वाले स्कूलों को निकटवर्ती स्कूलों में एकीकरण करने का आदेश उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वापस लिया जाएं।शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत बच्चों की प्राथमिक शिक्षा सुलभ, निकटतम और बाल अनुकूलित होनी चाहिए। प्राथमिक शिक्षा के लिए एक किलोमीटर और उच्च प्राथमिक शिक्षा के लिए तीन किलोमीटर दूरी होना चाहिए। वर्तमान समय में सरकार द्वारा इन स्कूलों के पेयरिंग का कार्य किया जा रहा है जिस पर तत्काल रोक लगाई जाए। एकीकरण के आदेश से लाखों छात्र बेसिक शिक्षा से दूर हो जायेंगे। और बेसिक शिक्षा में निजीकरण को बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह,ब्लॉक मंत्री प्रदीप भाटी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवेंद्र शर्मा, उपाध्यक्ष गौतम सिंह, धर्मेन्द्र शर्मा, देवराज सिंह, प्रमोद कुमार,सुरेश सिंह,प्रदीप कुमार, कुलदीप त्यागी, जाबिर अली, उमेश कुमार, राजाराम, प्रकाश सिंह,रामपाल सिंह,मशकूर अहमद आदि मौजूद रहे

दो दिन से लगातार हो रही बारिश से भरभराकर गिरा मकान, लाखों का नुकसान

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- क्षेत्र में दो दिन से लगातार हो रही बारिश के कारण गांव निवासी एक युवक का मकान गिर गया जिससे उसका लाखों का नुकसान हो गया। नुकसान से युवक और उसका परिवार बेहद आहत हैं। लेकिन गनिमत रही कि युवक का परिवार सुरक्षित है। बता दें कि गजरौला क्षेत्र में पिछले दो दिन से लगातार बारिश हो रही है। जिसका रोजमर्रा के कामकाजी लोगों पर बेहद बुरा असर पड़ता दिखाई दे रहा है। गांवों और नगरों की सड़कें जलमग्न हो गई हैं जिसका असर लोगों के आवागमन पर भी पड़ा है।उधर थाना क्षेत्र के गांव कुदैनी में बारिश के कारण गांव निवासी धर्मवीर पुत्र गोकुल का मकान भरभराकर गिर

गया,जिससे उसका लाखों का नुकसान हो गया।मकान गिरने से उसका लाखों का नुकसान हो गया। नुकसान होने से धर्मवीर व उसका परिवार बुरी तरह आहत हैं।धर्मवीर का कहना है कि भगवान का शुक्र है की मेरा परिवार सही सलामत है जो मकान गिरते समय परिवार का कोई सदस्य घर के अंदर नहीं था वरना बड़ा हादसा भी हो सकता था।

अन्याय:- 50 की संख्या से कम वाले विद्यालय को किया जा रहा मर्ज

बच्चों के हितों का नहीं दिया जा रहा ध्यान

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेशीय अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा व महामंत्री संजय सिंह ने सोमबार को प्रदेश के प्रत्येक जनपद में 50 से कम छात्र नामांकन होने पर विद्यालयों का नजदीकी विद्यालय में पेयरिंग/मर्जर को लेकर जनपद के प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर संगठन की ब्लॉक कार्यसमिति / संघर्ष समिति / सेवानिवृत्त शिक्षक प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों एवं बन्द होने वाले विद्यालयों के ग्राम प्रधान,विद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष / सदस्यों विद्यालियों में अध्ययन करने वाले छात्रों के अभिभावकों /माता-पिता के साथ एक संयुक्त बैठक आयोजित करने के लिये समस्त जनपदों के जिलाध्यक्ष / मंत्री, ब्लॉक अध्यक्ष / मंत्री को पत्र लिखकर निर्देशित किया है। सोमबार को बी आर सी करनपुर माफी, ब्लॉक हसनपुर जनपद

अमरोहा मे अपराह्न 1 बजे से बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में 50 से कम नामांकन वाले विद्यालयों के प्र0अ0/इ0अ0,विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष/सदस्यों, ग्राम प्रधान तथा विद्यालयों में अध्ययन करने वाले छात्रों के माता-पिता / अभिभावकों ने प्रतिभाग किया। बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष होमपाल सिंह ने उपस्थित सभी लोगों से कहा कि पेयरिंग/मर्जर के नाम पर जिस तरह 50 से कम नामांकित विद्यालयों को बन्द किया जा रहा है, पूर्णतः यह अव्यावहारिक है। इससे भविष्य में विद्यालयों में प्र0अ0 के पद समाप्त हो जायेंगे तथा पदोन्नति का रास्ता बन्द हो जायेगा एवं अध्यापक रिक्तियां कम हो जायेंगी। कहा कि पेयरिंग/मर्ज का फैसला समझ से परे है क्योंकि इसमें बच्चों के हितों का अहित होता है तथा वह शिक्षा प्राप्त करने के अधिकार से वंचित होता है उन्होंने आगे कहा पेयरिंग से विद्यालयों में नामांकन में भारी कमी आयेगी क्योंकि घर से दूरी बढ़ जाने के कारण अभिभावकों का अपने बच्चों के प्रति या बच्चे के मन में अनजाने डर का भाव विकसित हो जायेगा तथा वह विद्यालय में नहीं आयेंगे, जो कि विद्यालय अस्तित्व के लिए ठीक नहीं है।बैठक में विभिन्न वक्ताओं ने अपने-अपने विचार/मत व्यक्त किए तथा पेयरिंग के विरोध में अभिभावकों व प्रबंधन समिति के अध्यक्षों/सदस्यों ने एक स्वर में इस प्रक्रिया के विरुद्ध, विरोध व्यक्त किया तथा संगठन के साथ एकजुट होकर संघर्ष करने का ऐलान किया। बैठक में अमित गुप्ता, सौरभ जिंदल, गजेंद्र ढाका, लखमी सिंह, कपिल राणा अशोक कुमार ऋतुराज सिंह राजकुमार विपेन्द्र चौहान विपाशा अंजना रस्तोगी, ब्रजबाला त्यागी आकांक्षा सक्सेना विपिन कुमार सतेन्द्र राणा,नौबत सिंह, उदयवीर सिंह, उम्मेद अली, विक्रम सिंह आदि ने बैठक में प्रतिभाग किया।

ब्राह्मण महिला सभा नगर कार्यकारणी का शपथ ग्रहण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- ब्राह्मण महिला सभा चंदौसी जिला संभल के तत्वाधान में सोमबार को स्टेशन रोड स्थित ए बी सी मॉन्टेसरी स्कूल में ब्राह्मण महिला सभा चंदौसी नगर कार्यकारणी का शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सभा संरक्षिका संगीता भार्गव, विशिष्ट अतिथि संरक्षक मंडल सदस्य शालिनी शर्मा द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। नई कार्यकारणी सदस्यों ओर उपस्थित अन्य सदस्यों ने अपना अपना परिचय देते हुए अपने कार्यक्षेत्र के बारे में बताया। शपथ ग्रहण कार्यक्रम संयोजिका रंजना शर्मा द्वारा ब्राह्मण महिला सभा की 2025 की

नवनिर्वाचित अध्यक्ष उर्मिला शर्मा का जीवन परिचय देते हुए उनकी उपलब्धियों के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि कैसे उन्होंने अपने जीवन में संघर्षों से जूझते हुए समाज के निर्बल और असहाय मनुष्यों की सहायता की। सभा के द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों में अपना पूर्ण समर्पण दिया। सभा संरक्षिका संगीता भार्गव ने अध्यक्ष उर्मिला शर्मा को शपथ दिलाई। उसके बाद महामंत्री रंजना शर्मा द्वारा सचिव रानी शर्मा, कोषाध्यक्ष मीरा दुबे, आंतरिक उपाध्यक्ष सीमा शर्मा, बाह्य उपाध्यक्ष रेनू शर्मा,सह सचिव शिप्रा शर्मा एड, मीडिया प्रभारी आशा गोस्वामी, विशेष सदस्य अंशु नागर, सरोज शर्मा,नगर कार्यकारणी सदस्य शुभ्रा शर्मा, साधना पाठक, माधुरी शर्मा, कमला शर्मा, इंद्रेश शर्मा, आभा शर्मा, विमलेश शर्मा, स्वर्णलता दीक्षित, स्वाति शर्मा, पूजा शर्मा आदि को शपथ दिलाई गई। शपथ ग्रहण करने के उपरांत सभा सचिव रानी शर्मा जी के जन्मदिन को भी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर रुचि नागर, स्वर्णलता दीक्षित आदि उपस्थित रहे।कार्यक्रम की अध्यक्षता उर्मिला शर्मा, संचालन रंजना शर्मा द्वारा किया गया।

राज्यमंत्री के साथ अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के पदाधिकारियों ने की बैठक

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपनाः- अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के द्वारा आगामी 6 जुलाई को होने वाली "सशक्त महिला, सशक्त युवा" थीम पर आधारित मैराथन आयोजन को लेकर आज चंदौसी में उत्तर प्रदेश सरकार की राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार, माध्यमिक शिक्षा विभाग) गुलाब देवी के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, सामाजिक संदेश, सहभागिता और प्रशासनिक सहयोग से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर गंभीर चर्चा की गई। मंत्री जी ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से महिलाओं और युवाओं को न केवल

प्रेरणा मिलती है, बल्कि सामाजिक चेतना का स्तर भी ऊँचा होता है। बैठक के दौरान महिला जिला अध्यक्ष डॉ. दुर्गा टंडन जी ने कार्यक्रम के विषय में बताया नारी और युवा झ दोनों राष्ट्र निर्माण की धुरी हैं। जब ये दोनों सशक्त होंगे तभी समाज सशक्त होगा। यह मैराथन इसी सोच को गति देने का कार्य करेगी। कार्यक्रम से जुड़े आयोजकों ने मंत्री जी को मैराथन में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया। जिसे उन्होंने ससम्मान स्वीकार किया। बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों, समाजसेवियों और आयोजन समिति के प्रमुख सदस्य भी उपस्थित रहे। यह आयोजन केवल एक दौड़ नहीं बल्कि एक सामाजिक आंदोलन है। जिसका लक्ष्य है महिलाओं और युवाओं को समान रूप से आत्मनिर्भर और जागरूक बनाना। इस बैठक में प्रदेश अध्यक्ष युवा अमित वार्ष्णेय ने बताया कि इस कार्यक्रम के संबंध में अधीक्षण अभियंता विद्युत श्री विनोद गुप्ता, नगर पालिका अधिशासी अधिकारी चंदौसी से भी इसी क्रम में बैठक की गई है। प्रदीप वार्ष्णेय, मोहित वार्ष्णेय, गिरीश रतन, अन्नू अरुण रतन, नितिन रहोली, अभिषेक गुप्ता, शिखर गोयल आदि समिति के तमाम सदस्य उपस्थित रहे।

अमरोहा जिले में सहायक निदेशक मत्स्य नीतू सिंह ने मत्स्य पालन को दी नई दिशा

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- अमरोहा जिला उत्तर प्रदेश का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र, जो अपनी कृषि और सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है, अब मत्स्य पालन के क्षेत्र में भी अपनी पहचान बना रहा है। इस प्रगति के पीछे एक महत्वपूर्ण नाम है - नीतू सिंह, जो अमरोहा जिले की सहायक निदेशक मत्स्य के रूप में कार्यरत हैं। नीतू सिंह ने अपने कुशल नेतृत्व, नवाचार और समर्पण के बल पर जिले में मत्स्य पालन को न केवल बढ़ावा दिया है, बल्कि इसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक मजबूत आधार भी बनाया है। उनके कार्यों ने न केवल स्थानीय मछुआरों की आजीविका को बेहतर किया है, बल्कि क्षेत्र की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को भी सुदृढ़ किया है। नीतू सिंह ने अपने कार्यकाल में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाओं को लागू किया है। केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं, जैसे प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना, निषादराज बोट सब्सिडी योजना,

मत्स्य कृषकों को किसान क्रेडिट कार्ड आदि अन्य मत्स्य विकास कार्यक्रमों को अमरोहा में प्रभावी ढंग से लागू किया गया है। इन योजनाओं के तहत, मत्स्य पालकों को तकनीकी प्रशिक्षण, उच्च गुणवत्ता वाले बीज, और आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। नीतू सिंह ने व्यक्तिगत रूप से यह सुनिश्चित किया है कि ये सुविधाएं जमीनी स्तर तक पहुंचें और अधिक से अधिक लोग इनका लाभ उठा सकें। उनके नेतृत्व में, जिले के तालाबों और जलाशयों का उपयोग मत्स्य पालन के लिए अधिक प्रभावी ढंग से किया जा रहा है। अमरोहा में गंगा और अन्य छोटी-बड़ी जल स्रोतों की उपलब्धता को देखते हुए, नीतू सिंह ने जलाशयों के रखरखाव और उनके वैज्ञानिक उपयोग पर विशेष ध्यान दिया है। उन्होंने मत्स्य पालकों को प्रोत्साहित किया है कि वे पारंपरिक तरीकों के साथ-साथ आधुनिक तकनीकों, जैसे बायोफ्लॉक और रिसकुर्लेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम (RAS), को अपनाएं। इससे न केवल मछली उत्पादन में वृद्धि हुई है, बल्कि मत्स्य पालकों की आय में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। नीतू सिंह की एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है महिलाओं को मत्स्य पालन के क्षेत्र में सशक्त बनाना। उन्होंने जिले में कई महिला स्वयं सहायता समूहों (SHGs) को मत्स्य पालन से जोड़ा है। इन समूहों को प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता प्रदान की गई है, जिससे महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकी हैं। उनके इस प्रयास ने ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के बीच एक नई आर्थिक क्रांति को जन्म दिया है। इसके अलावा, नीतू सिंह ने मत्स्य पालकों के लिए जागरूकता शिविर और कार्यशालाओं का आयोजन किया है, जिसमें विशेषज्ञों द्वारा मछली पालन की नवीनतम तकनीकों की जानकारी दी जाती है। इन शिविरों में मत्स्य पालकों को मछली की नस्ल सुधार, जल गुणवत्ता प्रबंधन, और बीमारियों से बचाव के तरीकों के बारे में बताया जाता है। इससे मछली पालन की गुणवत्ता में सुधार हुआ है और उत्पादन लागत में कमी आई है। नीतू सिंह के प्रयासों का परिणाम यह है कि अमरोहा अब मत्स्य पालन के क्षेत्र में एक मॉडल जिला बन रहा है। उनके कार्यों की सराहना न केवल स्थानीय स्तर पर, बल्कि राज्य स्तर पर भी हो रही है। उनके नेतृत्व में, अमरोहा के मत्स्य पालक न केवल आत्मनिर्भर हो रहे हैं, बल्कि वे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। नीतू सिंह का यह समर्पण और नवाचार निश्चित रूप से अन्य जिलों के लिए एक प्रेरणा है।

नवोदय समिति के कार्यकताओं ने पौधा रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

पिलखुवा/हापुड़ (सब का सपना):- सामाजिक संस्था नवोदय युवा समिति के तत्वाधान में पौधारोपण किया गया। जिसमें फलदार एवं छायादार वृक्षों के पौधे लगाए गए। रेलवे रोड पर पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह राठी ने कहा कि पौधारोपण करके प्रत्येक नागरिक को अपना कर्तव्य निभाना चाहिए।

इस दौरान उन्होंने जनमानस को पौधारोपण करने के लिए जागरूक किया और एक पौधा जरूर लगाने का आह्वान किया। संस्था के विनय शर्मा ,डोली कार्दमवाल ,महेंद्र सिंह सैनी ,जतिन सिंह ,आदि ने पौधों के साथ के जागरूकता रैली निकालकर पौधारोपण करने के लिए जागरूक किया और प्रत्येक व्यक्ति से एक पौधा जरूर लगाने का आह्वान किया।जागरूकता अभियान के तहत महेंद्र सिंह सैनी ने कहा कि आज वातावरण में बहुत अधिक गर्मी और पानी का जलस्तर नीचे जा रहा है जो एक समस्या बनता जा रहा है इसलिए प्रत्येक नागरिक को एक पौधा लगाना जरूरी है।

बबराला से अमरनाथ जत्था रवाना

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपनाः- सोमवार को बाबा भोलेनाथ के आशीर्वाद से अमरनाथ यात्रा का बबराला से जत्था रवाना। जिसमें जाने वालों में शामिल विनय कुमार वार्ष्णेय एडवोकेट रेलवे सलाहकार सदस्य एवं राजीव महेश्वरी, सुभाष यादव, राजन गुप्ता, दीपक गुप्ता, विनीत गुप्ता, संतोष कुमार गांधी, पुष्पा गांधी, सचिन सक्सेना, चंद्रभान सभी का स्वागत करने वालों में मीना गुप्ता सभासद में सभी का जोरदार जोरदार स्वागत किया। स्वागत करने वालों में शामिल राजू लाल गुप्ता, आस्था वार्ष्णेय, सुखदेव वार्ष्णेय, एडवोकेट राजकुमार वार्ष्णेय आदि ने जोरदार स्वागत कर रवाना किया।

वंदे भारत राष्ट्रवादी संगठन द्वारा ब्रजघाट तट की गई गंगा आरती, राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक मूल्यों का दिया संदेश

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- वंदे भारत राष्ट्रवादी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रूपेंद्र सिंह रोमी ने संगठन सदस्यों के साथ आज पावन तीर्थस्थल ब्रजघाट, गढ़मुक्तेश्वर में पतित-पावनी माँ गंगा के पवित्र तट पर आयोजित नित्यप्रति होने वाली श्री गंगा आरती में सहभागिता कर राष्ट्रभक्ति, संस्कृति एवं सेवा भावना का संकल्प लिया। वंदे भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रूपेन्द्र सिंह रोमी ने बताया माँ गंगा केवल जलधारा नहीं, वह हमारे संस्कारों और सभ्यता की जीवित प्रतीक हैं। वंदे भारत राष्ट्रवादी संगठन का उद्देश्य भारतीय संस्कृति और राष्ट्र की आत्मा को जन-जन तक पहुँचाना है। इस पुण्य अवसर पर हम संकल्प लेते हैं कि हम राष्ट्र और संस्कृति की रक्षा के लिए निरंतर कार्यरत रहेंगे। वंदे भारत के राष्ट्रीय महामंत्री विपिन चौधरी ने बताया हमारी संस्कृति की जड़ें गंगा जैसे जीवनदायिनी नदियों से जुड़ी हैं। जब हम गंगा आरती में भाग लेते हैं, तो यह केवल पूजा नहीं होती, बल्कि यह हमारी भारतीय पहचान, परंपरा और मूल्यों को सहेजने का एक प्रयास होता है। वंदे भारत संगठन इसी दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। वहीं मेजर राजीव ढल ने कहा गंगा आरती केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, यह हमारी आस्था, पर्यावरण चेतना और राष्ट्रसेवा का प्रतीक है। हम युवाओं को प्रेरित करते हैं कि वे अपने कर्तव्यों के प्रति

सजग हों और माँ भारती की सेवा को अपना धर्म समझें। दीपा माला चौधरी ने कहा माँ गंगा की आरती में भाग लेकर मैं गर्व महसूस करती हूँ। महिलाओं की भूमिका केवल घर तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण में भी अहम योगदान होना चाहिए। वंदे भारत संगठन महिलाओं को एक सशक्त मंच प्रदान करता है जहाँ वे अपनी ऊर्जा को राष्ट्रसेवा में लगा सकती हैं। महिला मोर्चा की वरिष्ठ सदस्य श्रीमती पूनम चौधरी ने गंगा आरती में भाग लिया और बताया गंगा आरती से आंतरिक ऊर्जा और संस्कारों की अनुभूति होती है। यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, राष्ट्रप्रेम और सामाजिक एकता का अद्भुत संगम है। वंदे भारत संगठन का यह प्रयास सराहनीय है, जो संस्कृति और राष्ट्र को जोड़ने का कार्य कर रहा है। इस भावनात्मक और आध्यात्मिक कार्यक्रम में स्थानीय श्रद्धालुओं की भी बड़ी संख्या में भागीदारी रही। देशभक्ति गीतों, वैदिक मंत्रों और दीपों की रौशनी से गंगा तट का वातावरण भक्तिमय एवं प्रेरणास्पद बन गया। माँ गंगा की आरती के साथ, वंदे भारत संगठन ने राष्ट्रवाद का संकल्प लेकर अपने राष्ट्र अभियान का शुभारंभ किया यह एक ऐसा अभियान है जो भारत की सांस्कृतिक चेतना, एकता और आत्मगौरव को जाग्रत करने हेतु समर्पित है। वंदे भारत राष्ट्रवादी संगठन द्वारा गंगा आरती में राष्ट्रभक्ति के अवसर पर संगठन के रविन्द्र राठी , सोमी चौधरी , कवित्र पूनिया , सत्या, गौरव कालीरामन , सुबोध राजौरा , यशपाल सिंह , आशू शर्मा , महेश विस्नोई , कपिल ढिल्लन , अशोक चाहल, रविपाल सिंह, सचिन , टिंकू , ओम यादव ,अनिल चाहल , वरुण चाहल, सहित सैकड़ों राष्ट्रवादी साथी उपस्थित रहे।

अमरोहा जिले के परियोजना निदेशक अमरेंद्र प्रताप सिंह हुए सेवानिवृत्त: नम आंखों से दी गई विदाई

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जिले के परियोजना निदेशक अमरेंद्र प्रताप सिंह के सेवानिवृत्त होने के अवसर पर एक भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में उनके सहकर्मियों, अधीनस्थ कर्मचारियों, और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने नम आंखों के साथ उन्हें विदाई दी। अमरेंद्र प्रताप सिंह ने अपने लंबे और प्रेरणादायक कार्यकाल के दौरान जिले के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिसके लिए उनकी सराहना की गई। यह समारोह न केवल उनकी सेवाओं का सम्मान था, बल्कि उनके साथ बिताए गए पलों को याद करने का एक अवसर भी था। अमरेंद्र प्रताप सिंह ने अमरोहा जिले में परियोजना निदेशक के रूप में कई वर्षों तक अपनी सेवाएं दीं। उनके कार्यकाल के दौरान जिले में कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं को मूर्त रूप दिया गया। चाहे वह ग्रामीण विकास हो, मनरेगा विभाग, ग्रामीण आजीविका मिशन, गरीबों को निशुल्क आवास को लेकर , अमरेंद्र प्रताप सिंह जी ने हर क्षेत्र में अपनी कार्यकुशलता और नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया। उनकी कार्यशैली में पारदर्शिता, समर्पण, और जनता के प्रति जवाबदेही साफ झलकती थी। उनके नेतृत्व में जिले में कई सरकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया गया। मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम), स्वच्छ भारत मिशन, और ग्रामीण आवास योजनाओं जैसे कार्यक्रमों को उनके मार्गदर्शन में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों, स्कूलों, और स्वास्थ्य केंद्रों का निर्माण उनके कार्यकाल की प्रमुख उपलब्धियों में से एक रहा। अमरेंद्र प्रताप सिंह के सेवानिवृत्ति के अवसर पर आयोजित विदाई समारोह में जिला प्रशासन के सभी प्रमुख अधिकारी, कर्मचारी, और स्थानीय लोग शामिल हुए। समारोह का आयोजन विकास भवन सभागार में किया गया, जिसे फूलों और रंग-बिरंगे गुब्बारों से सजाया गया था। माहौल भावनात्मक और उत्साहपूर्ण था, जहां हर कोई उनके योगदान को याद कर रहा था। समारोह की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई। इसके बाद, विभागीय अधिकारियों ने अमरेंद्र प्रताप सिंह के कार्यकाल की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए उनके नेतृत्व की प्रशंसा की। इस दौरान पंचायती राज अधिकारी पारुल सिसोदिया ने कहा, "अमरेंद्र जी का कार्यकाल हमारे लिए एक मिसाल है। उन्होंने न केवल योजनाओं को लागू किया, बल्कि हर कर्मचारी को प्रेरित किया कि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ करें। समारोह में उपस्थित सहकर्मियों ने अमरेंद्र जी के साथ बिताए गए पलों को साझा किया। कई कर्मचारियों ने बताया कि कैसे उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य और समझदारी के साथ काम किया। एक कर्मचारी, मनरेगा जिला एपीओ हिमानी ने भावुक होते हुए कहा, "अमरेंद्र सर हमेशा हमें एक परिवार की तरह मानते थे। उनकी सलाह और मार्गदर्शन ने हमें हमेशा सही रास्ता दिखाया।" अमरेंद्र जी के कार्यकाल में कई कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत भी किया गया। उनकी नीतियों ने कर्मचारियों में एक नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया। उनके नेतृत्व में कार्य करने वाले कर्मचारियों ने बताया कि वे हमेशा उनकी उपलब्धियों को गर्व के साथ याद करेंगे। अमरेंद्र प्रताप सिंह का विदाई भाषण समारोह का सबसे भावनात्मक क्षण तब आया जब अमरेंद्र प्रताप सिंह ने अपने विदाई भाषण में सभी को संबोधित किया। उन्होंने अपने भाषण में कहा, "अमरोहा मेरे लिए एक कार्यस्थल से कहीं अधिक रहा है। यह मेरे लिए एक परिवार की तरह है। मैंने यहां जो समय बिताया, वह मेरे जीवन का सबसे यादगार हिस्सा रहेगा। आप सभी के सहयोग और प्रेम के बिना मैं अपने कर्तव्यों को इतनी कुशलता से नहीं निभा पाता।" उन्होंने अपने भाषण में युवा अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे हमेशा जनता की सेवा को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा, "हमारा काम केवल कागजों पर योजनाएं बनाना नहीं है, बल्कि उन योजनाओं को धरातल पर उतारना है ताकि समाज के हर वर्ग को इसका लाभ मिले। उनके भाषण ने उपस्थित सभी लोगों को भावुक कर दिया। कई लोगों की आंखें नम थीं, और माहौल में एक गहरी शांति और सम्मान की भावना थी। जिला प्रशासन की ओर से सम्मान विदाई समारोह के दौरान अमरेंद्र प्रताप सिंह को जिला प्रशासन में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने घड़ी, शॉल, और प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया। जिला के अधिकारियों ने उनके योगदान की सराहना करते हुए कहा, "अमरेंद्र प्रताप सिंह जी ने अपने कार्यकाल में जो ऊंचाइयां हासिल कीं, वे हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उनकी कमी हमेशा खलेगी, लेकिन उनके द्वारा शुरू किए गए कार्यों को हम आगे बढ़ाएंगे। इसी के साथ समारोह में स्थानीय लोगों ने भी हिस्सा लिया और अमरेंद्र प्रताप सिंह जी के कार्यों की प्रशंसा की। कई ग्राम प्रधानों और स्थानीय नेताओं ने बताया कि कैसे उनके मार्गदर्शन में ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की नई लहर आई। एक ग्राम प्रधान , ने कहा, "अमरेंद्र प्रताप सिंह जी ने हमेशा ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं को गंभीरता से लिया और उन्हें हल करने के लिए तत्पर रहे। उनके बिना गंगा मेला और अन्य स्थानीय आयोजनों का सफल संचालन संभव नहीं था। अमरोहा, उत्तर प्रदेश का एक महत्वपूर्ण जिला है, जो 15 अप्रैल 1997 को मुरादाबाद जिले से अलग होकर अस्तित्व में आया। यह जिला अपनी समृद्ध सांस्कृतिक हरियाली की विरासत ही।, और ग्रामीण आजीविका मिशन में रोजगार के अंतर्गत अन्य उद्योग के लिए जाना जाता है। गंगा नदी से घिरा यह जिला पर्यटन के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है, जहां तिगरी, वासुदेव मंदिर, शाह विलायत दरगाह और तुलसी पार्क जैसे स्थान आकर्षण का केंद्र हैं। अमरेंद्र प्रताप सिंह ने जिले में मनरेगा विभाग, ग्रामीण आजीविका मिशन, परियोजना निदेशक को बढ़ावा देने और स्थानीय ग्रामीण इलाकों में विकास को लेकर प्रोत्साहन देने में मदद मिली। इसी के साथ अपने विदाई भाषण में अमरेंद्र जी ने अपने भविष्य की योजनाओं का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वे सेवानिवृत्ति के बाद भी सामाजिक कार्यों से जुड़े रहेंगे। खासकर, वे ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत रोजगार और मनरेगा को बेहतर बनाने के लिए काम करना चाहते हैं। उनकी इस प्रतिबद्धता ने उपस्थित लोगों को और अधिक प्रेरित किया। अमरेंद्र प्रताप सिंह का सेवानिवृत्ति समारोह न केवल एक विदाई थी, बल्कि उनके द्वारा किए गए कार्यों का उत्सव भी था। उनके नेतृत्व, समर्पण, और जनता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने अमरोहा जिले में एक अमिट छाप छोड़ी है। नम आंखों के साथ दी गई यह विदाई उनके प्रति लोगों के प्रेम और सम्मान का प्रतीक थी। जैसा कि अमरेंद्र जी ने अपने भाषण में कहा, "सेवानिवृत्ति जीवन का अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरूआत है।" उनके इस दृष्टिकोण ने सभी को यह विश्वास दिलाया कि वे भविष्य में भी समाज के लिए प्रेरणा बने रहेंगे। अमरोहा जिला उनके योगदान को हमेशा याद रखेगा, और उनके द्वारा शुरू किए गए कार्यों को नई पीढ़ी आगे बढ़ाएगी।

विद्यालयों के मर्जर को लेकर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने नारंगपुर जोया में किया बैठक का आयोजन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- सोमवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय आह्वान पर ब्लॉक संसाधन केंद्र नारंगपुर जोया मीटिंग में विद्यालय के मर्जर को लेकर ग्राम वासियों,ग्राम प्रधान और प्रबंध समिति के विचार लेकर आए सभी विद्यालयों के शिक्षक शिक्षिकाओं ने अपने-अपने विचार रखें इसमें जिला मंत्री मुकेश चौधरी ने बताया की विद्यालय मर्जर होने से छात्र-छात्राओं का भविष्य अधर में है अभिभावक अपने बच्चों को आसपास के गांव में भेजने के लिए साफ मना कर रहे हैं विद्यालय बंद होने से आने वाली वैकेंसी समाप्त हो जाएगीं ,जिला कोषाध्यक्ष अनीस अहमद ने कहा की सरकार को यह निर्णय वापस लेना होगा यह न्याय संगत नहीं है जूनियर शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष नखराज यादव जी ने कहा कि अधिकारी हठधर्मिता पर है सभी भाई बहनों को एकजुट रहना पड़ेगा और हर विपत्ति से डटकर सामना करना होगा इस मौके पर शिक्षक शिक्षिकाओं ने अपने विचार रखे और सभी शिक्षक शिक्षिकाओं को संगठन की अगली रणनीति का इंतजार है इस मौके पर ब्लॉक मंत्री विवेक चौधरी, मुरशल हुसैन , देवराज सिंह, खूब सिंह, पिंकी,काविंद्र सिंह,रामकिशोर सिंह,जयदीप चौधरी, रेनू ,पूजा सुधा ,अंजू, अरुणा, वर्षा गुप्ता,आशा मित्तल, रीता,प्रभा देवी,मतीन अहमद , विपिन कुमार , देवेन्द्र सिंह,धर्मेंद्र सैनी, बलजीत सिंह, अमित कुमार ,धर्मवीर सिंह,अनिल कुमार, सुनील कुमार, कुलदीप सिंह, रिश्रीपाल सिंह,अमित चाहल, अरुण कुमार अमरपाल सिंह जैनुल आबेदीन,चेतन सिंह, आदि अन्य शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे

नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से स्कूटी सवार की मौत

ग्रेटर नोएडा। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर रविवार रात एक अज्ञात वाहन ने स्कूटी सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान प्यार मोहम्मद (20) निवासी गांव नीलोनी थाना रबूपुरा के रूप में हुई है। दूसरा युवक दानिश भी नीलोनी गांव का रहने वाला है। नॉलेज पार्क कोतवाली पुलिस शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज मामले की जांच कर रही है। कोतवाली प्रभारी सर्वेश चंद मिश्रा ने बताया कि रविवार रात करीब 12 बजे नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर झट्टा अंडरपास के समीप स्कूटी से सवार होकर दो युवक नोएडा की ओर जा रहे थे। तभी किसी अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने स्कूटी को टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों से सूचना मिलते ही नॉलेज पार्क कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को तुरंत उपचार के लिए पास एक निजी अस्पताल ले गई। अस्पताल में डॉक्टरों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। मामले में परिजन को सूचित किया गया है। मामले में परिजन की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है। तहरीर मिलने के बाद केस दर्ज कर जांच की जाएगी। चालान के बावजूद नहीं थम रही रफ्तार यमुना और नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर तेज गति से चलने वाले वाहनों का चालान होता है। बावजूद चालक है कि मानने को तैयार नहीं। 23 जून को भी नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर सेक्टर-150 कट के समीप ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने रैपिडो बाइक टैक्सी में टक्कर मार दी थी। हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई थी।

आधार अनुश्रव समिति की बैठक का किया गया आयोजन

बहजोई/ सम्भल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन एवं अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व प्रदीप वर्मा एवं मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में आधार अनुश्रव समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अन्तर्गत क्षेत्रीय प्रबंधक यूएडीआई आशुतोष द्वारा बताया गया कि जनपद में मई 2025 माह में आधार नामांकन तथा अद्यतनीकरण के लिए 169 आधार नामांकन एवं अद्यतन मशीनें कार्यात्मक हैं । उन्होंने आधार नामांकन और अद्यतन मशीनों के द्वारा मई माह 2025 के दौरान नये किये गये नामांकन तथा आधार अद्यतन के विषय में जानकारी दी ।उन्होंने बेसिक शिक्षा विभाग तथा आईसीडीएस विभाग एवं अन्य विभाग में आधार कार्ड से संबंधित मशीनों तथा उनमें कितनी वर्तमान में सक्रिय रूप से मशीन संचालित हैं उसके विषय में बताया। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा संबंधित विभागों से इस विषय में जानकारी प्राप्त करते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जो भी मशीन सक्रिय नहीं हैं उनको सक्रिय करते हुए शीघ्र ही संचालित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनपद के आधार कार्ड से संबंधित अधिक से अधिक केन्द्र संचालित करना सुनिश्चित करें ताकि आम जनमानस को कोई समस्या न हो। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सम्भल विकास चन्द्र, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी रत्नेश कुमार एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

छत पर सो रही किशोरी, मौका देख युवक ने की छेड़छाड़, शोर मचाते ही भाग गया, थाने में दी तहरीर

अलीगढ़: एक युवक छत पर पहुंच गया। वहां सो रही किशोरी से छेड़छाड़ करने लगा। किशोरी के आंख खुल गई। उसने शोर मचा दिया। युवक वहां से नौ दो ग्यारह हो गया। युवक के खिलाफ थाने में शिकायत दी गई है। अलीगढ़ के थाना गंगीरी स्थित एक गांव निवासी किशोरी 29 जून की रात अपने घर की छत पर सो रही थी। रात में एक पड़ोसी युवक छत पर चढ़ आया और सो रही किशोरी के साथ छेड़छाड़ करने लगा। जिससे किशोरी की आंख खुल गयी। किशोरी ने तभी शोर मचा दिया। शोर सुनकर परिवार वाले छत पर आ गए। मौका देखकर युवक वहां से भाग गया। किशोरी ने अपने पिता के साथ सो30 जून को थाना गंगीरी में युवक के खिलाफ छेड़छाड़ करने की तहरीर दी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण गंगा का जलस्तर बढ़ा

दर्जनों गांव से होकर गुजरने वाले गंगा बांध से मिला गंगा का जलस्तर

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंह:- पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के चलते गंगा नदी उफान पर चल रही है, गंगा का जल स्तर इतना बढ़ गया है कि घाटों पर पूजा अर्चना करने वाले पुरोहितों की झोपड़ियां भी जलमग्न हो गई है,जल स्तर बढ़ने से घाट पर बैठने वाले पुरोहितों का बैठने का ठिकाना नहीं रहा है, पुरोहित अपनी झोपड़ियां को घाटों से हटाने को मजबूर है वहीं कुछ पुरोहितों की झोपड़ियां तो जल के साथ बह गई जिससे उनका काफी नुकसान हुआ है, गजरौला क्षेत्र में भी 2 दिन से लगातार मूसलाधार बारिश हो रही है जिस कारण नगर क्षेत्र और ग्रामीण क्षेत्र की सड़क जलमग्न हैं जिसका असर लोगों की जीविका पर पड़ता दिखाई दे रहा है ,सड़कों के जलमग्न होने के कारण लोगों का आवागमन भी बंद सा हो गया है। गांव और शहरों की सड़क तालाबों और नदियों में तब्दील हो गई हैं। उधर गजरौला के तिगरी गंगा धाम में गंगा का स्तर भी अधिक बढ़ गया है जिस कारण क्षेत्र के ऐसे कई जो गंगा के बांध से सटे हुए हैं गांव मोहम्मदाबाद, कबीरपुर ,कांसमाबाद आदि गांव से होकर गुजरने वाले गंगा बांध से गंगा का जलस्तर मिल गया है जिस कारण लोगों में डर का माहौल है। उधर मिली जानकारी के अनुसार अमरोहा क्षेत्र अभी दो दिन तक भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी कर दिया गया है।

प्रभारी मंत्री कपिल देव अग्रवाल एवं सांसद लोकसभा क्षेत्र अमरोहा कुंवर सिंह तंवर की अध्यक्षता में बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न

जनपद में हो रहे निर्माण कार्यों के लोकपर्ण एवं शिलान्यास के अवसरों पर प्रतिनिधियों को दिया जाए निमंत्रण

शासन द्वारा संचालित लाभार्थीपरक योजनाओं में पात्र व्यक्तियो को मिले लाभ: प्रभारी मंत्री

हापुड़ (सब का सपना):- जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार मे प्रभारी मंत्री कपिल देव अग्रवाल एवं सांसद लोकसभा क्षेत्र अमरोहा कुंवर सिंह तंवर की अध्यक्षता मे आयोजित की गयी। सर्वप्रथम गत बैठक की अनुपालन आख्या से मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गौतम द्वारा प्रभारी मंत्री को अवगत कराया। दिशा बैठक के दौरान दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, राष्ट्रीय समाजिक सहायता कार्यक्रम, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, राष्ट्रीय ग्रमीण पेयजल कार्यक्रम, प्रधानमंत्री कृषि सिचाई योजना, दीन दयाल उपाध्याय विद्युत योजना, मृदा स्वस्थ कार्ड, अमृत योजना तथा अन्य योजनाओ की समीक्षा पर मंत्री जी ने सभी अधिकारियो से योजनाओं को निर्धारित अवधि मे पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होने कहा की जिन योजनाओ को शासन से स्वीकृति प्राप्त है उसके लोकार्पण और शिलान्यास करने से पूर्व जनपद के प्रतिनिधियों को जानकारी अवश्य दी जाए। सांसद लोकसभा क्षेत्र अमरोहा के द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने मकानों में पात्र लाभार्थियों को लाभ दिलाने हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया। प्रभारी मंत्री ने कहा की जिनकी पेंशन शासन स्तर पर लम्बित है उनके लिये जिला समाज कल्याण अधिकारी व्यक्तिगत प्रयास कर ले। उन्होंने समाज कल्याण अधिकारी को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष जो भी आवेदन प्राप्त हो रहे हैं उनकी जल्द से जल्द तिथि निर्धारित करके विवाह कार्य संपन्न कराया जाए उन्होंने स्पष्ट कहा कि अधिक से अधिक आवेदनों के चक्कर में पूर्व में प्राप्त हुए आवेदनों के कार्य में विलंब नहीं किया जाए। समाज कल्याण विभाग में सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत जो भी आवेदन प्राप्त हो रहे हैं उनमें निरंतर करवाई सुचारू रहनी चाहिए। राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान पूर्ण योजनाओं की सूची उपलब्ध कराने, कार्यो मे तेजी लाने एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दिये। प्रभारी ने सभी अधिकारी से अपने अपने विभाग के तहत कराये जा रहे कार्यो की जानकारी सम्बंधी विधायक को देने को कहा। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी शासन द्वारा संचालित योजनाओं में पात्र लाभार्थी को लाभ अवश्य प्राप्त हो कोई भी लाभार्थी लाभ से वंचित ना हो इसका विशेष ध्यान रखें। जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय ने कहा कि सभी अधिकारीगण अपने-अपने विभाग से संबंधित योजनाओं को प्रभारी मंत्री के द्वारा प्राप्त निर्देशन में काम करें तथा उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरे। बैठक के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नगर, विधायक सदर विजयपाल,विधायक हरेंद्र सिंह तेवतिया,विधायक धौलाना धर्मेश सिंह, समस्त उप जिलाधिकारी, जनप्रतिनिधिगण, तथा अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सोना हड़पने के लिए रची लूट की झूठी कहानी, सच्चाई जान पुलिस अफसर भी हैरान; चार शातिर हुए गिरफ्तार

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिण पूर्वी जिले की एंटी राबरी सेल व गोविंदपुरी थाने की टीम ने सात लाख के सोने की लूट के फर्जी मामले में चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। कबाड़ में बेची गई आलमारी के लाकर में सोना था। कबाड़ी ने अपने दोस्त को रखने के लिए इसे दे दिया और वास्तविक मालिक को भी सूचित कर दिया। लालच में आकर कबाड़ी के दोस्त ने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर सोने के लूट की झूठी कहानी गढ़ी और पुलिस को फोन किया। पुलिस ने मामले का पदार्फाश करते हुए गहनों के साथ ही अपराध में इस्तेमाल बाइक बरामद की। दक्षिणी पूर्वी जिले की अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ऐश्वर्या शर्मा ने मामले की जानकारी देते हुए

बताया कि 26 व 27 जून की दरम्यानी रात मंटू मंडल नामक व्यक्ति ने गोविंदपुरी पुलिस को फोन किया। उसने बताया कि पिछली रात दो बाइक सवारों ने उसका अपहरण कर घर से सोना लूट लिया था। उसे उसके घर से कुछ दूर पर छोड़कर आरोपित फरार हो गए थे। मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस टीम सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया, जिसके अनुसार दो बाइक सवार शिकायतकर्ता के घर पहुंचे। छह मिनट बाद वे शिकायतकर्ता और सोने के सामान

दक्षिणी दिल्ली में पुलिस ने सात लाख के सोने की लूट के फर्जी मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। मंटू मंडल नामक व्यक्ति ने पुलिस को झूठी सूचना दी कि बाइक सवारों ने उसका अपहरण कर सोना लूट लिया।

के साथ घर से निकल गए। इस पर टीम ने दोनों बाइक सवार बदरपुर निवासी राज कुमार और जैतपुर निवासी सरफराज के साथ उनके साथी फरीदाबाद निवासी राजू उर्फ यूसुफ को भी पकड़ लिया। वहीं, पूछताछ में पता चला कि शिकायतकर्ता मंटू मंडल, जो एक निर्माण स्थल का ठेकेदार है, ने लगभग एक महीने पहले लाजपत नगर में एक साइट पर काम करते समय उसके मालिक जितेंद्र से एक अलमारी ली थी। 25 जून को उसने वह आलमारी कबाड़ी को बेच दी। आलमारी के लाकर के अंदर सोने के सामान पाए। कबाड़ विक्रेता ने सोना मंटू मंडल को सौंप दिया, साथ ही उसने जितेंद्र को भी सूचित किया। मंटू मंडल ने अपने दोस्त राजू के साथ मिलकर सोना हड़पने की साजिश रची। वहीं, पूछताछ में पता चला कि शिकायतकर्ता मंटू मंडल, जो एक निर्माण स्थल का ठेकेदार है, ने लगभग एक महीने पहले लाजपत नगर में एक साइट पर काम करते समय उसके मालिक जितेंद्र से एक अलमारी ली थी। 25 जून को उसने वह आलमारी कबाड़ी को बेच दी। आलमारी के लाकर के अंदर सोने के सामान पाए। कबाड़ विक्रेता ने सोना मंटू मंडल को सौंप दिया, साथ ही उसने जितेंद्र को भी सूचित किया। मंटू मंडल ने अपने दोस्त राजू के साथ मिलकर सोना हड़पने की साजिश रची। राजू ने दो बाइक सवारों को बुलाया जो मंटू के घर पहुंचे और सोना लेकर चले गए। मंटू मंडल ने उस रात कोई फोन नहीं किया। जब वास्तविक मालिक जितेंद्र ने मंटू पर सोना लौटाने का दबाव बनाया तो उसने झूठी पीसीआर काल की। आरोपितों के पास से 60 ग्राम सोना व चोरी में प्रयुक्त बाइक बरामद की। गोविंदपुरी थाने में मामला दर्ज कर दोनों बाइक सवारों के साथ पुलिस ने शिकायतकर्ता मंटू मंडल और राजू को गिरफ्तार कर लिया।

दिल्ली में दर्दनाक हादसा, सड़क पर खड़े ट्रक में स्कूटी; युवक की मौत से मचा कोहराम

पश्चिमी दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली में द्वारका सेक्टर-23 थाना क्षेत्र स्थित गोयला डेयरी लालबत्ती के पास खड़े एक ट्रक में स्कूटी घुस गई। हादसे में स्कूटी चालक महेंद्र और इनका दोस्त सौरव घायल हो गए। घायलों को पास के अस्पताल में ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने महेंद्र को मृत घोषित कर दिया।वहीं, सौरव को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। ट्रक को जब्त कर पुलिस अब ट्रक चालक की तलाश कर रही है। 27 जून की रात द्वारका सेक्टर 23 थाना पुलिस को गोयला डेयरी लालबत्ती पर सड़क हादसे की जानकारी मिली। मौके पर पहुंची पुलिस को एक क्षतिग्रस्त स्कूटी और ट्रक खड़ा मिला। पूछताछ में पता चला कि स्कूटी पीछे से ट्रक में घुस गई थी। हादसे में स्कूटी चालक और उसपर बैठा एक शख्स घायल हो गया है। जिसे पीसीआर कर्मी इंदिरा गांधी अस्पताल लेकर गए हैं। पुलिस तुरंत अस्पताल पहुंची, जहां पता चला कि स्कूटी चला रहे मधु विहार निवासी महेंद्र को मृत घोषित कर दिया है। जबकि उनके दोस्त सौरव को मामूली उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। पुलिस को सौरव अस्पताल में नहीं मिले। बाद में सौरव ने अपने बयान में बताया कि वह महेंद्र के साथ पोचनपुर में नान की रेहड़ी पर काम करते हैं। रात में काम खत्म होने के बाद दोनों स्कूटी से घर जा रहे थे। स्कूटी महेंद्र चला रहे थे। वह लालबत्ती के पास खड़े ट्रक को देख नहीं पाया और स्कूटी पीछे से ट्रक में घुस गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि लापरवाही से मौत का मामला दर्ज कर गया है। पुलिस ट्रक चालक की तलाश कर रही है। पुलिस तुरंत अस्पताल पहुंची, जहां पता चला कि स्कूटी चला रहे मधु विहार निवासी महेंद्र को मृत घोषित कर दिया है। जबकि उनके दोस्त सौरव को मामूली उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। पुलिस को सौरव अस्पताल में नहीं मिले। बाद में सौरव ने अपने बयान में बताया कि वह महेंद्र के साथ पोचनपुर में नान की रेहड़ी पर काम करते हैं। रात में काम खत्म होने के बाद दोनों स्कूटी से घर जा रहे थे। स्कूटी महेंद्र चला रहे थे। वह लालबत्ती के पास खड़े ट्रक को देख नहीं पाया और स्कूटी पीछे से ट्रक में घुस गई।

दिल्ली सरकार का बड़ा एलान, आईएनए अग्निकांड शिल्पकारों को मिलेगी राहत; जलकर राख हो गई थी 24 दुकानें

नई दिल्ली। दिल्ली में आइएनए अग्निकांड में प्रभावित शिल्पकारों के लिए दिल्ली सरकार ने अतिरिक्त राहत की घोषणा की है। गत 30 अप्रैल को यहां आग लगने से 24 स्टाल जलकर पूरी तरह नष्ट हो गए थे। इस घटना के बाद मुख्यमंत्री द्वारा प्रत्येक प्रभावित शिल्पकार को पांच लाख की राहत राशि देने की घोषणा की गई थी। पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने बताया कि पांच लाख की अनुग्रह राहत राशि को मंजूरी दी जा चुकी है और कुल 1 करोड़ 20 लाख की राशि 24 प्रभावित शिल्पकारों को प्रदान की जाएगी। उन्होंने इसके अतिरिक्त और सहायता की घोषणा करते हुए बताया कि आग की घटना में जिन 24 शिल्पकारों के स्टाल नष्ट हुए हैं, उन्हें 1 जुलाई 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक की अवधि के लिए दिल्ली हॉट आइएनए में छह महीने के लिए निःशुल्क स्टाल आवंटित किए जाएंगे। यह आवंटन लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से होगा। मिश्रा ने कहा कि हमारी सरकार शिल्पकारों के हितों की रक्षा और उन्हें आवश्यक सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने इसके अतिरिक्त और सहायता की घोषणा करते हुए बताया कि आग की घटना में जिन 24 शिल्पकारों के स्टाल नष्ट हुए हैं, उन्हें 1 जुलाई 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक की अवधि के लिए दिल्ली हॉट आइएनए में छह महीने के लिए निःशुल्क स्टाल आवंटित किए जाएंगे। यह आवंटन लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से होगा। मिश्रा ने कहा कि हमारी सरकार शिल्पकारों के हितों की रक्षा और उन्हें आवश्यक सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

दिल्ली में सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग में करोड़ों रुपये का घोटाला, इंजीनियर और ठेकेदार गिरफ्तार

नई दिल्ली: दिल्ली की एंटी करप्शन ब्रांच (ACB) ने सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग में करोड़ों रुपये के घोटाले का पदार्फाश किया है। इस मामले में विभाग के निलंबित एग्जीक्यूटिव इंजीनियर गगन कुरेल और प्राइवेट ठेकेदार अरुण गुप्ता को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि इन दोनों ने मिलकर सरकारी खजाने से 4 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम उन कार्यों के लिए निकाल ली, जो जमीन पर कभी हुए ही नहीं। जांच में सामने आया कि नॉर्थ दिल्ली के सिरासपुर गांव में दोनों ओर RCC नालियां और सड़कें बनवाने के नाम पर करीब 5.3 करोड़ रुपये के तीन टेंडर बाबा कंस्ट्रक्शन कंपनी को दिए

गए थे। मगर मौके पर कोई भी निर्माण कार्य नहीं मिला, फिर भी 4.2 करोड़ रुपये ठेकेदार को जारी कर दिए गए। इसी तरह अम्बा कंस्ट्रक्शन कंपनी को बुराड़ी स्थित CTP नेटवर्क की मरम्मत और पेंटिंग के लिए 38.98 लाख रुपये का ठेका मिला, लेकिन साइट पर कोई काम नहीं हुआ, बावजूद इसके 43.74 लाख रुपये का भुगतान कर दिया गया। ठेकेदारों ने जमा कराई थी फर्जी बैंक गारंटी अउइ की जांच में यह भी खुलासा हुआ कि ठेकेदारों ने 2.24 करोड़ रुपये की फर्जी बैंक गारंटी जमा कराई थी, जो असली नहीं बल्कि रंगीन फोटोकॉपी थी। मटेरियल टेस्ट रिपोर्ट और माप पुस्तिकाओं में भी हेराफेरी की गई। जांच के दौरान संबंधित इंजीनियर ने सवालों के जवाब देने से बचने की कोशिश की और जरूरी दस्तावेज भी गायब मिले। मामले की गंभीरता को देखते हुए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और भारतीय दंड संहिता की कई धाराओं में FIR दर्ज की गई है। अब तक दो लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि अन्य अधिकारियों और निजी व्यक्तियों की भूमिका की जांच जारी है। आगे और गिरफ्तारियां और विभागीय कार्रवाई की संभावना है।

नगर निगम, पीडब्ल्यूडी और दिल्ली पुलिस तक से नहीं हो रहा मामूली सा काम, रेजिडेंट्स इस अजब मुसीबत से परेशान

पूर्वी दिल्ली: वसुंधरा एन्क्लेव का पुनीत अपार्टमेंट इन दिनों एक छोटी सी कार की वजह से बड़ी मुसीबत का सामना कर रहा है। सड़क किनारे बनी नाली की सफाई रुकी हुई है और इसकी वजह है, एक यूपी नंबर की कार। ये कार नाली के ऊपर खड़ी होने की वजह से पूरी कॉलोनी के लोग परेशान हैं। नाली में गंदगी जमा होने से बारिश में पानी भरता है, जिससे आसपास के लोगों को काफी परेशानी होती है, सिर्फ इसी हिस्से की सफाई नहीं हो पा रही है। इस अपार्टमेंट के पास न्यू अशोक नगर के लोग अक्सर अपनी गाड़ियां खड़ी कर देते थे। इनमें से कुछ वाहनों का आगे का हिस्सा सड़क

पर और पिछला हिस्सा फुटपाथ पर रहता था। बाकी गाड़ियां हटा ली गईं, लेकिन एक ही बची रह गई इस वजह से नाली की सफाई हो पाना मुश्किल था। क्षेत्रीय पार्षद मुनेश डेढ़ा ने वार्ड समिति की बैठक में ये मुद्दा उठाया था, जिसके बाद काफी गाड़ियां हटा दी गईं और नाली के अधिकांश हिस्से की सफाई हो गई। लेकिन एक कार, जिसका नंबर यूपी का है, वह अभी भी वहीं खड़ी है और उसके नीचे वाला नाली का हिस्सा साफ नहीं हो पा रहा है। एक रेजिडेंट ने सोशल मीडिया पर उठाया यह मुद्दा अपार्टमेंट में रहने वाले सुनील थपलियाल ने सोशल मीडिया पर इस मुद्दे को उठाया और कई विभागों को शिकायत भी की। उनका कहना है कि इस एक कार की वजह से पूरी कॉलोनी की सफाई प्रभावित हो रही है। नगर निगम, पुलिस और पीडब्ल्यूडी के अधिकारी भी इस कार को नहीं हटा पा रहे हैं। जिससे लोगों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। हालांकि, पार्षद मुनेश डेढ़ा ने आश्वासन दिया है कि यह कार हटवा दी जाएगी। लोग अब उम्मीद कर रहे हैं कि जल्द ही नाली की सफाई होगी।

बेसमेंट में बने गोदाम पर छापा, सिगरेट के 94,000 पैकेट देख दंग रह गए अफसर; सामने आया विदेशी कनेक्शन

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने एक गोदाम पर छापेमारी करके प्रतिबंधित विदेशी सिगरेट के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के घर के बेसमेंट में बने गोदाम से 94,000 पैकेट सिगरेट बरामद किए है। पुलिस के मुताबिक, आरोपित यूनान और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों से सिगरेट आयात करके दिल्ली-एनसीआर सहित दक्षिण भारत में उसकी आपूर्ति करते थे। पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि 27 जून को एक टीम को इलाके में अवैध सिगरेट के भंडार के बारे में सूचना मिली। सूचना के आधार पर छापेमारी की गई, जिसमें कई विदेशी

ब्रांड की सिगरेट बरामद की गईं। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपियों को वसंत कुंज के नांगल देवत इलाके से गिरफ्तार किया गया। वसंत कुंज साउथ थाने में एफआइआर की दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि मामले में आगे की जांच की जा रही है। आरोपियों ने आवासीय इमारत के बेसमेंट में स्थित गोदाम से कई विदेशी ब्रांड के सिगरेट के पैकेट बरामद किए गए, जिन पर कोई अनिवार्य स्वास्थ्य चेतावनी या अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) नहीं लिखा था, जो सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (सीओटीपीए) का उल्लंघन है। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपियों को वसंत कुंज के नांगल देवत इलाके से गिरफ्तार किया गया। वसंत कुंज साउथ थाने में एफआइआर की दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि मामले में आगे की जांच की जा रही है। आरोपियों ने आवासीय इमारत के बेसमेंट में स्थित गोदाम से कई विदेशी ब्रांड के सिगरेट के पैकेट बरामद किए गए, जिन पर कोई अनिवार्य स्वास्थ्य चेतावनी या अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) नहीं लिखा था, जो सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (सीओटीपीए) का उल्लंघन है।

45 दिन पहले छोड़ा था घर, दिल्ली आकर चुन ली मौत; जवान बेटे की मौत पर हैरत में परिवार

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी में वसंत कुंज दक्षिणी इलाके में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक 23 वर्षीय उदय भान के शव को कब्जे में लेकर वसंतकुंज थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, प्रारंभिक जांच के दौरान कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सफदरजंग हॉस्पिटल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया है। पुलिस परिजनों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। दक्षिणी पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि उदय भान अपने बड़े

भाई 27 वर्षीय हेतराम के साथ मसूदपुर गांव में रहता था। वह मूलरूप से उत्तर प्रदेश के बदायूं जिला स्थित गांव व थाना पिलशी का रहने वाला था। वह 45 दिन पहले ही दिल्ली आया था। अपने भाई के साथ दिल्ली मेट्रो निर्माण स्थल, मसूदपुर में मजदूर के रूप में काम

दक्षिणी दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में 23 वर्षीय उदय भान ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह 45 दिन पहले ही दिल्ली आया था और अपने भाई के साथ मेट्रो निर्माण स्थल पर काम करता था।

करता था। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि शनिवार को वसंत कुंज नार्थ थाना पुलिस को मसूदपुर गांव में एक युवक के आत्महत्या के संबंध में पीसीआर काल मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मकान नंबर 101-ए, तीसरी मंजिल, मसूदपुर गांव पहुंच गई। पुलिस ने युवक को फंदे से उतारा और अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना मिलने के बाद मौके पर क्राइम व एफएसएल की टीम पहुंची। टीम ने निरीक्षण के बाद साक्ष्य जुटाए। मौके मौजूद फोन करने वाले ने खुद को मृतक का भाई बताया। पुलिस ने युवक को फंदे से उतारा और अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना मिलने के बाद मौके पर क्राइम व एफएसएल की टीम पहुंची। टीम ने निरीक्षण के बाद साक्ष्य जुटाए। मौके मौजूद फोन करने वाले ने खुद को मृतक का भाई बताया। पुलिस टीम ने उसके बयान दर्ज किए। उसने बताया कि उदय भान रात की शिफ्ट में काम करता था, जबकि उसका भाई दिन की शिफ्ट में काम करता था। शनिवार को हेतराम काम से घर लौटा तो उसने देखा कि उसका भाई मफलर जैसे कपड़े का उपयोग कर पंखे से लटका हुआ है। पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

मछली मंडी में जमकर गरजा बुलडोजर, चंद मिनटों में किया ध्वस्त; मचा हड़कंप

पूर्वी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में सोमवार को बुलडोजर गरजा है। विकास मार्ग पर लक्ष्मी नगर चुंगी के पास अवैध रूप से चल रही मछली मंडी को निगम ने ध्वस्त किया। बताया गया कि आज दैनिक जागरण के पूर्वी दिल्ली के अंक में अवैध मंडी की खबर प्रमुखता से छपी है। जोन चेयरमैन रामकिशोर शर्मा ने खबर पर संज्ञान लिया और निगम के दस्ते से मंडी को तुड़वाया। चेयरमैन खुद मौके पर मौजूद रहे।

शिरोमणि अकाली दल का आरोप- सिखों के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप कर रही सरकार

नई दिल्ली : सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) में सरकारी हस्तक्षेप का शिरोमणि अकाली दल ने आरोप लगाया है। इसके खिलाफ शिरोमणि अकाली दल के कार्यकताओं ने नई दिल्ली संसद भवन के पास स्थित गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में संगत के साथ मिलकर अरदास की। यह अरदास गुरुद्वारा बंगला साहिब से शुरू की गई है। इसके साथ ही प्रत्येक रविवार को किसी न किसी गुरुद्वारे में अरदास की जाएगी। शिरोमणि अकाली दल दफ्तर से बड़ी संख्या में संगत गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब पहुंची। दरबार हाल में मत्था टेकने के बाद निशान साहिब के समक्ष बरामदे में पंथ की चढ़दीकला और गुरुद्वारा प्रबंध की स्वतंत्रता के लिए अरदास की। इस अवसर पर दिल्ली कमेटी के पूर्व अध्यक्ष मनजीत सिंह जीके ने कहा कि मौजूदा सरकार सिखों के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप कर रही है। पहले दो निर्वाचित सदस्यों की सदस्यता समाप्त की गई। इसके बाद चुनाव के नाम पर आंतरिक नामांकित प्रक्रिया को थोप दिया गया। जीके ने कहा कि जब दुनिया के सारे रास्ते बंद हो जाएं तो सिख कौम अरदास का सहारा लेती है। वहीं, गुरु चरणों में यह विनती की है कि हमें फिर से स्वतंत्र और स्वायत्त प्रबंध का अधिकार मिले। इस अवसर पर दिल्ली कमेटी के सदस्य डॉ. परमजीत सिंह राणा ने वर्तमान प्रबंधकों की सरकार के समक्ष झुकने की नीति की आलोचना की। वहीं, डॉ. परमिंदर पाल सिंह ने मौजूदा पंथक हालात पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता बताई। इस दौरान कार्यक्रम में बीबी मनदीप कौर बख्शी और कई अन्य कमेटी के सदस्य व कार्यकर्ता मौजूद रहें।

दिल्ली में भिखारी बनकर करते थे वारदात, पुलिस ने किया गिरोह का पदार्फाश; तीन आरोपी दबोचे

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली में हौजखास थाना पुलिस की टीम ने सिग्नल पर भिखारी बनकर लोगों से झपटमारी करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपितों की पहचान अर्जुन नाथ, तूफान नाथ और चांद नाथ के रूप में हुई है, सभी शांति कैंप, मांडी गांव के रहने वाले हैं। आरोपितों के पास से चोरी की सोने की एक अंगूठी बरामद की। दक्षिणी जिला पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया पांच जून को फरीदाबाद निवासी पीड़ित ने शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि जब वह गोल्डन ड्रैगन, अगस्त क्रांति मार्ग, हौज खास के पास ट्रैफिक सिग्नल के पास इंतजार कर रहा था, तभी तीन व्यक्ति उसकी गाड़ी के पास आए। उसने उन्हें 20 रुपये दिए और उन्होंने बातचीत शुरू कर दी। इस दौरान उनमें से एक ने उसका हाथ पकड़ लिया। उनके जाने के बाद शिकायतकर्ता को पता चला कि उसकी सोने की अंगूठी गायब है। मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। सीसीटीवी फुटेज की जांच कर सुराग जुटाया गया। टीम ने आटो में सवार तीन संदिग्धों का पता लगाने में सफल पाई। वहीं, ऑटो चालक ने बताया कि उसने संदिग्धों को भाटी माइंस में छोड़ा। पखवाड़ेभर की निगरानी के बाद पुलिस ने एक आरोपित अर्जुन नाथ को पकड़ा। उसके कब्जे से चोरी की अंगूठी बरामद की। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने तूफान नाथ और चांद को भी पकड़ा, जो अर्जुन के रिश्तेदार हैं। हौज खास थाने में मामला दर्ज कर तीनों के गिरफ्तार किया गया। इस दौरान उनमें से एक ने उसका हाथ पकड़ लिया। उनके जाने के बाद शिकायतकर्ता को पता चला कि उसकी सोने की अंगूठी गायब है। मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। सीसीटीवी फुटेज की जांच कर सुराग जुटाया गया। टीम ने आटो में सवार तीन संदिग्धों का पता लगाने में सफल पाई। वहीं, ऑटो चालक ने बताया कि उसने संदिग्धों को भाटी माइंस में छोड़ा। पखवाड़ेभर की निगरानी के बाद पुलिस ने एक आरोपित अर्जुन नाथ को पकड़ा। उसके कब्जे से चोरी की अंगूठी बरामद की। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने तूफान नाथ और चांद को भी पकड़ा, जो अर्जुन के रिश्तेदार हैं। हौज खास थाने में मामला दर्ज कर तीनों के गिरफ्तार किया गया।

आम के आम गुठलियों के दाम! आम खाकर विजेता बन गई दिल्ली की ये महिला

दक्षिणी दिल्ली। दिल्ली पर्यटन और दिल्ली सरकार की ओर से त्यागराज स्टेडियम में चल रहे तीन दिवसीय फलों के राजा आम महोत्सव का रविवार को समापन हो गया। इस महोत्सव में आम प्रेमियों ने परिवारों और दोस्तों के साथ खूब इंज्वॉय किया। वहीं, महोत्सव में लगी आम प्रदर्शनी में जहां विविध किस्मों के आम के बारे में जानकारी पाई, वहीं जमकर खरीदारी भी की। समापन कार्यक्रम में पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा पहुंचे और इस तरह के आयोजनों के माध्यम से सांस्कृतिक जीवंतता और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने के दिल्ली पर्यटन के प्रयासों की सराहना की। बताया गया कि शाम को महिलाओं के लिए आम खाने की प्रतियोगिता हुई, जिसमें कुल 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में तीन मिनट में तीन किलो आम का पल्प खाना था। रमा सबसे ज्यादा 1.29 किलोग्राम आम खाकर विजेता बनीं। वहीं, दूसरे स्थान पर सेनिला और तीसरे स्थान पर अर्चना रहीं। महोत्सव में विभिन्न राज्यों से 400 से ज्यादा किस्मों के आमों का प्रदर्शन किया गया था। बताया गया कि शाम को महिलाओं के लिए आम खाने की प्रतियोगिता हुई, जिसमें कुल 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में तीन मिनट में तीन किलो आम का पल्प खाना था। रमा सबसे ज्यादा 1.29 किलोग्राम आम खाकर विजेता बनीं। वहीं, दूसरे स्थान पर सेनिला और तीसरे स्थान पर अर्चना रहीं।

जगन्नाथ रथयात्रा में भगदड़, प्रत्यक्षदर्शी ने बताया, एक ही रास्ते से एंट्री और एग्जिट

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा के दौरान हुई भगदड़ के प्रत्यक्षदर्शियों ने भयावह स्थिति का आंखों देखा हाल बताया है। उन्होंने बताया कि एक ही रास्ते से एंट्री और एग्जिट था, और एग्जिट गेट बंद करके वहीं से वीआईपी एंट्री कराई गई थी, जिससे आम भक्तों के लिए कोई अलग रास्ता नहीं था। इस बीच पुलिस भीड़ को संभालने में नाकाम रही। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रथ के सामने पूजा सामग्री से लदे दो ट्रक घुस आए, इससे कई भक्त उससे टकराकर गिर पड़े और भगदड़ मच गई। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि हादसे के वक्त मौके पर कोई पुलिसकर्मी नहीं था और एंबुलेंस एक किलोमीटर दूर खड़ी थी, जिससे घायलों को लोग हाथों पर उठाकर ले गए। एक मृतका के पति ने प्रशासन की लापरवाही का आरोप लगाकर कहा कि उनकी पत्नी पानी मांगती रही लेकिन कोई सुनने वाला नहीं था। यह हादसा गुंडिचा मंदिर के पास रविवार सुबह 4ः20 बजे हुआ, जिसमें तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 50 से ज्यादा घायल हुए। जगन्नाथ जी का रथ बाद में पहुंचने से दर्शन की होड़ लग गई, जिससे भीड़ अनियंत्रित हो गई। पुरी की रथयात्रा में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रथों को उनकी मौसी के घर गुंडिचा मंदिर के सामने 9 दिन के लिए खड़ा कर दिया जाता है। यहां बलभद्र और सुभद्रा के रथ पहले पहुंच चुके थे। जगन्नाथ रथ बाद में पहुंचा, जिससे लोगों में उसके दर्शन करने की होड़ लग गई। इसी दौरान भगदड़ मची, जिसमें गिरने से कई लोग कुचल गए। बताया जा रहा है कि घटना के समय वहां पर्याप्त पुलिस बल तैनात नहीं था। हादसे में मारे गए लोगों के नाम बसंती साहू (36), प्रेमकांति महांति (78) और प्रभाती दास हैं। इनके शव पुरी मेडिकल कॉलेज में रखे गए हैं।

शेफाली जरीवाला डेथ केस : पीएम रिपोर्ट में बीपी गिरने और हार्ट अटैक बताया मौत का कारण

नई दिल्ली (एजेंसी)। अभिनेत्री शेफाली जरीवाला डेथ केस में नया खुलासा हुआ है। प्रारंभिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का वास्तविक कारण सामने आ गया है। पीएम में ब्लड प्रेशर का तेजी से गिरना और हार्ट अटैक आना मौत की वजह बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि 27 जून को यानी जिस रात शेफाली जरीवाला की मौत हुई थी, उस दिन उनके घर में पूजा थी और वो पूरे दिन व्रत पर थी। बता दें, 27 की रात जब शेफाली की तबीयत अचानक से बिगड़ी तो उन्हें हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत्य घोषित किया गया था। घटना के वक्त घर पर शेफाली के पति पराग त्यागी, मां और कुछ अन्य सदस्य मौजूद थे। फॉरेंसिक टीम ने उनके घर से अलग-अलग तरह की दवाएं जब्त की हैं, जिनमें एंटी-एजिंग वायल्स, विटामिन सप्लीमेंट्स और गैस्ट्रिक से संबंधित गोलियां शामिल हैं। वहीं, दूसरी ओर पुलिस लगातार शेफाली जरीवाला देथ केस की जांच में जुटी हुई है। अब तक पुलिस ने इस मामले में 8 लोगों के बयान दर्ज किए हैं, जिनमें परिवार के सदस्य, घरेलू नौकर और बेलेव्यू अस्पताल के डॉक्टर शामिल हैं। जांच के दौरान किसी प्रकार के विवाद या झगड़े के कोई संकेत नहीं मिले हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो पूरे दिन जब व्रत में रहने के बाद जब शेफाली रात में खाना खाने गईं, तभी वह बेहोश होकर गिर गई थीं। इसके अलावा यह भी बताया जा रहा है कि उस रात भी शेफाली ने एंटी एजिंग का इंजेक्शन भी लिया था। शेफाली को यह मेडिसिन सालों पहले एक डॉक्टर की सलाह पर दी गई थीं, और तब से वह हर महीने यह ट्रीटमेंट लेती आ रही थीं।

भारतीय नौसेना के जवानों ने संकट में फंसे जहाज पर तुरंत कार्रवाई की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस तबर को एमटी यी चेंग 6 नामक जहाज से संकट की सूचना मिली, इसके बाद जहाज ने तुरंत कार्रवाई कर आग बुझाने का काम शुरू कर दिया। 13 भारतीय नौसैनिक और 5 चालक दल के सदस्य वर्तमान में आग बुझाने के काम कर रहे हैं। पुलाऊ ध्वज वाला एमटी यी चेंग 6 गुजरात के कांडला से ओमान के शिनस जा रहा था। भारतीय नौसेना के प्रवक्ता ने बताया कि ओमान की खाड़ी में तैनात भारतीय नौसेना के स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस तबर ने 29 जून को एमटी यी चेंग 6 से एक संकट कॉल का जवाब दिया। भारत से शिनस, ओमान जा रहा था, इंजन रूम में एक बड़ी आग लग गई और जहाज पर पूरी तरह से बिजली गुल हो गई। आईएनएस तबर से अग्निशमन दल और उपकरणों को जहाज की नाव और हेलीकॉप्टर द्वारा जहाज पर स्थानांतरित किया गया। 13 भारतीय नौसैनिक और 05 चालक दल के सदस्य वर्तमान में आग बुझाने के काम में लगे हुए हैं, जिससे जहाज पर लगी आग की तीव्रता में काफी कमी आई है।

ऑपरेशन सिंदूर से भारतीय वायुसेना के मुरीद हुए दो देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना की ताकत और युद्ध लड़ने की क्षमता पर दो देशों ने बड़ा बयान आया है। थाईलैंड और ग्रीस ने भारतीय सेना के शौर्य और ऑपरेशन सिंदूर की सराहना की है। थाईलैंड की वायु सेना ने भारत के ऑपरेशन सिंदूर को आधुनिक युद्ध का मास्टरक्लास बताया है। रॉयल थाई फोर्स ने आधिकारिक बयान में कहा है कि भारतीय वायुसेना ने कैसे एक साथ नौ आतंकी ठिकानों और पाकिस्तान के 11 एयरबेस को गहराई में जाकर तबाह किया और वहां बिना एक भी पायलट को नुकसान पहुंचे। थाईलैंड ने माना कि भारत ने मल्टीलेयर एयर डिफेंस, साइबर ऑपरेशन और डीप स्ट्राइक रणनीति का ऐसा संगम दिखाया है, जो दुनिया में विरले ही देखने को मिलता है।

वहीं, ग्रीस ने कहा है कि उसके देश को भारत से आधुनिक युद्ध की कला सीखने की जरूरत है, खासकर तुर्की जैसे विस्तारवादी देश के खतरे को देखते हुए। ग्रीस की सेना को भारतीस सेना से बहुत कुछ सीखने की जरुरत है। तुर्किए ग्रीस के कई आईलैंड पर अपना दावा ठोकता है। तुर्किए ने साइप्रस के एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर रखा है। ऐसे में पूरी दुनिया में स्थिति चल रही है कि तुर्किए ग्रीस पर हमाल भी कर दे। इस अखबार ने कहा है कि तुर्किए ग्रीस पर हमला करने के लिए पाकिस्तान की मदद ले सकता है।

विपक्ष संविधान को कूड़ेदान में फेंकने की मानसिकता से नहीं आ पा रहा बाहरः सुधांशु

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने सोमवार को नई दिल्ली के बीजेपी कार्यालय में बिहार में नेता प्रतिपक्ष और राजद नेता तेजस्वी यादव के एक बयान का जिक्र करते हुए कहा कि वह कहते हैं कि संसद के कानून को (वक्फ बोर्ड कानून) कूड़ेदान में फेंक देंगे। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि अभी हाल ही में हमने भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे दुर्दांत काले अध्याय आपातकाल के 50 साल पूरे किए हैं, लेकिन बड़े दुख की बात है कि पटना के उसी गांधी मैदान में जहां आपातकाल के दौरान संविधान की रक्षा और संविधान के सम्मान के लिए जान की परवाह किए बिना लाखों लोग एकत्र हुए थे। वहां कल एक ऐसी रैली हुई, जिसमें तेजस्वी यादव ने कहा कि संसद के कानून को (वक्फ बोर्ड कानून) कूड़ेदान में फेंक देंगे। जबकि यह कानून दोनों सदनों से पारित है और कोर्ट में विचाराधीन है। इसका अर्थ ये हुआ कि न संसद का सम्मान न न्यायपालिका का सम्मान। यह साफ है कि 50 साल बाद भी इंडी गठबंधन संविधान को कूड़ेदान में फेंकने की पुरानी आदत से बाहर नहीं आ पाया है।

उन्होंने कहा कि वोट बैंक की चाहत में इंडी गठबंधन के सहयोगी तेजस्वी द्वारा जो कुछ बोला गया है, उससे साफ है कि ये संविधान को कूड़ेदान में फेंकने की मानसिकता से बाहर नहीं आ पा रहे हैं। सुधांशु ने वक्फ का जिक्र करते हुए कहा कि मैं यह बताना चाहता हूं कि कुरआन में 'वक्फ' जैसा कोई शब्द नहीं है। यह मौलवियों का बनाया शब्द है। इस्लाम आपको खर्च करना और देना सिखाता है, न कि रखना या जमा करना और फिर भी, आप कहते हैं, ÷संग्रह करो÷? यह बाबा साहेब के संविधान का मजाक उड़ाने के अलावा और कुछ नहीं है, इसे धर्मनिरपेक्ष दस्तावेज से मौलवियों की स्क्रिप्ट में बदलने की कोशिश है। यह चंद मुस्लिमों के साथ खड़े हैं, जो पैसों की ताकत रखते हैं। यह गरीब मुस्लिमों के साथ नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि अगर वे कभी सत्ता में आए तो यह संभव नहीं है, लेकिन वे बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान को कूड़ेदान में फेंक देंगे और शरिया कानून लागू करेंगे। यह कोई अतिशयोक्ति नहीं है। याद रखें भारत में सरकार ने केवल एक बार 400 सीटें पार की हैं, वो भी 1985 में और फिर क्या हुआ? शाहबानो मामले को देखें। उस 400 से ज्यादा की सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को कुचल दिया और शरिया कानून को संविधान से ऊपर रख दिया। वे पिछड़े, वांछित, का आरक्षण भी यह खत्म करना चाहते हैं।

उन्होंने जामिया और अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में एससी/एसटी और ओबीसी आरक्षण खत्म करने का आरोप लगाया। सुधांशु ने कहा कि 2012 और 2014 में माइनॉरिटी संस्थाओं को दर्जा दिया गया। तेलंगाना और कर्नाटक में मुस्लिम को ओबीसी में शामिल किया गया। बंगाल में भी यही हो रहा है। तर्क यह दिया गया कि यह मुस्लिम पहले ओबीसी हिंदू समुदाय से थे और बाद में यह कन्वर्ट हुए, इसलिए इन्हें ओबीसी में डाला गया। इंडी गठबंधन के सपनों को हम साकार नहीं होने देंगे। देश का विधान बाबा साहेब के संविधान से चलेगा।

देवेंद्र फडणवीस पर हमलावर संजय राउत, झूठ बोलना भाजपा की राष्ट्रीय नीति

मुंबई । शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे द्वारा तीन-भाषा नीति पर माशेलकर समिति की रिपोर्ट स्वीकार करने के झूठे दावा करने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। सांसद राउत ने कहा कि झूठ बोलना भाजपा की राष्ट्रीय नीति है। उन्होंने भाजपा को चुनौती देकर कहा कि अगर ठाकरे ने माशेलकर समिति की रिपोर्ट पेश की थी, तब उस रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाना चाहिए था। ठाकरे गुट के नेता राउत ने कहा कि झूठ बोलना भाजपा की राष्ट्रीय नीति है। ये लोग महाराष्ट्र में इसी नीति के तहत काम कर रहे हैं। अगर उद्धव ठाकरे ने माशेलकर समिति पर कोई रिपोर्ट पेश की है, तब उस रिपोर्ट को फडणवीस सरकार को सार्वजनिक करना चाहिए। एक समिति की रिपोर्ट जारी की गई है और कैबिनेट में रखी गई है। क्या इस पर चर्चा नहीं हो सकती? आपने कैबिनेट के साथ जबरदस्ती हिंदी पर चर्चा की, आपने ऐसा इसलिए किया क्योंकि यह एक राष्ट्रीय नीति है। राउत ने तंज कसते हुए कहा कि देवेंद्र फडणवीस तीन बार मुख्यमंत्री बन चुके हैं, क्या उन्हें इतना भी ज्ञान नहीं है? इसके पहले 29 जून को, विपक्ष की भारी आलोचना का सामना करने और राज्य के लोगों पर 'हिंदू भाषा थोपने' के आरोप के बाद महाराष्ट्र सरकार ने तीन-भाषा नीति के कार्यान्वयन पर दो आदेशों को रद्द किया था। महाराष्ट्र सरकार के एक प्रेस नोट के अनुसार, 24 जून को मुख्यमंत्री फड़णवीस ने तीन-भाषा फॉर्मूले पर घोषणा कर आरोप लगाया था कि यह पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे थे जिन्होंने कक्षा 1 से 12 तक तीन-भाषा नीति शुरू करने के लिए डॉ रघुनाथ माशेलकर समिति की सिफारिशों को स्वीकार किया था और इसके कार्यान्वयन के लिए एक पैनल भी गठित किया था।

कांग्रेस सांसद सोवियत रुस के एजेंट के तौर पर करते थे काम, मिलती थी फंडिंग

-बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस पर लगाए गंभीर आरोप

गोड्डा (एजेंसी)। झारखंड के गोड्डा से बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस के दिवंगत नेता एचकेएल भगत के नेतृत्व में 150 से ज़्यादा कांग्रेस के सांसद सोवियत रूस से फंडिंग करते थे और उसके ऐजेंट के तौर पर काम करते थे। सांसद ने ये आरोप यूएस एजेंसी सीआईए द्वारा 2011 में जारी दस्तावेज के आधार पर लगाए हैं।

दुबे ने एक्स पर ट्वीट करते हुए लिखा कि कांग्रेस, भ्रष्टाचार और गुलामी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के बड़े नेता दिवंगत एचकेएल भगत के नेतृत्व में 150 से ज़्यादा कांग्रेस के सांसद सोवियत रूस के पैसे पर पलते थे और रूस के लिए दलाली करते थे। दुबे ने पत्रकारों के समूह पर एजेंट के तौर पर काम करने की बात भी पोस्ट में लिखी। पत्रकारों के समूह उनके दलाल थे और कुल 16 हज़ार न्यूज़ आर्टिकलों का ज़िक्र है जो रुस ने छपवाए।

नेताओं की फंडिंग और पत्रकारों की दलाली के अलावा रूसी लोगों के हिन्दुस्तान में रहने के भी आरोप लगाए हैं। दुबे ने आगे लिखा कि उस जमाने में रुस के जासूसी संस्थानों के 1100 लोग हिंदुस्तान में थे जो नौकरशाही, व्यापारी संगठनों, कम्युनिस्ट पार्टियों, ओपिनियन मेकर को अपनी जेब में रखते थे और सूचना के साथ भारत की नीति बनाते थे। दुबे ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की उम्मीदवार सुभद्रा जोशी ने लोकसभा चुनाव में उस वक़्त 5 लाख रुपए लिए थे। जर्मन सरकार से चुनाव के नाम पर। हारने के बाद इंडो जर्मन फोरम की अध्यक्ष बनीं। दुबे सवालिया अंजाद में लिखा- यह देश था या गुलामों, दलालों या बिचौलियों की कठपुतली। कांग्रेस इसका जवाब दे?

सिंधु जल संधि को स्थगित करने से क्या लाभ, शिवराज, पाटिल और भूपेंद्र यादव जनता को बताएंगे

पंजाब, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान में व्यापक जनसंपर्क अभियान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की मोदी सरकार अपने वरिष्ठ मंत्रियों को जनता के बीच भेजेगी, ताकि वे लोगों को समझा सकें कि पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को स्थगित करने का फैसला कितना फायदेमंद है। सूत्रों के अनुसार, जनता को समझाया जाएगा कि इस संधि को क्यों स्थगित किया और इससे भारत को कैसे और कितना फायदा होगा।

खासकर उत्तर भारत के उन राज्यों में सांसदों को पहुंचाया जाएगा, जहां भविष्य में नदियों के पानी के इस्तेमाल की ज्यादा संभावना है। इसके लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल और पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव जैसे वरिष्ठ केंद्रीय मंत्रियों को जिम्मेदारी मिली है।

भारत सिंधु नदी के पानी का अपने लिए बेहतर इस्तेमाल करेगा और इसके लिए दीर्घकालिक रणनीति पर काम कियास जा रहा है। इसमें 160 किलोमीटर नहर बनाना शामिल है, ताकि चिनाब को रावी, ब्यास और सतलुज नदी तंत्र से जोड़ा जा सके। सिंधु नदी के पानी को अन्य नदियों और नहरों से जोड़ने के लिए योजना के तहत करीब 13 किलोमीटर की टनल भी बनेगी। मोदी सरकार की योजना सिंधु जल को राजस्थान के श्रीगंगानगर से जोड़ने की है और इस तीन साल में पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। इससे इन क्षेत्रों में जल की उपलब्धता बढ़ेगी और सिंचाई तथा बिजली उत्पादन में भी मदद मिलेगी।

सिंधु जल को श्रीगंगानगर से जोड़ने की योजना

मोदी सरकार की योजना पानी जम्मू-कश्मीर से पंजाब, हरियाणा और राजस्थान तक ले जाने की है। सरकार की योजना सिंधु जल को श्रीगंगानगर से जोड़ने की है और तीन साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान की मौजूदा 13 नहर व्यवस्थाओं को जोड़ा जाएगा।

इससे न केवल इन क्षेत्रों में जल की उपलब्धता बढ़ जाएगी बल्कि भारत सरप्लस पानी का इस्तेमाल भी अपने लिए कर सकता है। साथ ही सिंचाई और बिजली उत्पादन में भी बड़ी मदद मिलेगी। मोदी सरकार के वरिष्ठ मंत्री उन सभी इलाकों में लोगों से संपर्क करने वाले हैं, जिन्हें भविष्य में इस पानी का फायदा मिलने वाला है और बताएंगे कि मोदी सरकार के इस फैसले से उन्हें आने वाले सालों में पानी की कमी नहीं होगी। इसके लिए पंजाब, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलेगा।

भाजपा देश का संविधान बदलना चाहती है : कन्हैया कुमार

पटना । कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने पटना में वक्फ कानून के विरोध में आयोजित की गई रैली को लेकर कहा कि यह प्रदर्शन हर उस नागरिक का है जो देश के संविधान पर विश्वास रखता है। पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान कन्हैया कुमार ने भाजपा को घेरा। उन्होंने कहा कि भाजपा देश के संविधान को बदलना चाह रही है। इसी कड़ी में वक्फ कानून लाया गया है। यह कानून देखने में भले लग रहा हो, यह एक समुदाय का मामला है, लेकिन सही में यह मामला देश के सभी नागरिकों का मामला है। यही कारण है कि कांग्रेस वक्फ कानून का विरोध संसद से लेकर सड़क तक कर रही है। इस मामले को लेकर आगे भी जो संघर्ष होगा, इसमें पार्टी पूरी मुस्तैदी के साथ रहेगी। इधर, चुनाव आयोग के मतदाता पुनरीक्षण को लेकर कन्हैया कुमार ने कहा कि पहले आयोग यह मान ही नहीं रही थी कि कोई गड़बड़ी भी है। चुनाव आयोग इससे इंकार करता रहा है, लेकिन अब तो यह स्वीकार कर लिया कि गड़बड़ी है। गड़बड़ी के भी दो पहलू हैं। पहला पहलू है कि जो भाजपा समर्थक वोटर हैं, उनका नाम जोड़ा जाता है और जो भाजपा विरोधी मतदाता हैं, उनका नाम हटाया जाता है।

3 जुलाई से शुरु हो रही अमरनाथ यात्रा, यात्रियों की सुरक्षा के लिए बनाई चौकियां

-तीर्थयात्रियों की जांच व सम्मानजनक व्यवहार के बीच संतुलन बनाने के निर्देश

जम्मू (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा 2025 की तैयारियां चल रही हैं। सुरक्षा बल और प्रशासन तीर्थयात्रा से पहले निरीक्षण और ट्रायल रन कर रहे हैं। यह यात्रा 3 जुलाई को जम्मू-कश्मीर के बालटाल और पहलगाम से शुरू होगी। ऑनलाइन विंडो से चूकने वाले श्रद्धालुओं के लिए पंजीकरण जम्मू के विशेष केंद्रों पर शुरू हो गया है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हो रहे हैं।

जम्मू के बेस कैंप यात्री निवास में रसद और प्रतिक्रिया प्रणालियों का परीक्षण करने के लिए बसों को पूरी सुरक्षा के साथ भेजा गया है। तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को 2 जुलाई को औपचारिक रूप से जम्मू से रवाना किया जाएगा। तीर्थयात्रा से पहले सुरक्षा बलों और नागरिक प्रशासन की सुरक्षा और तैयारी सुनिश्चित की जा रही हैं। सुरक्षा इकाइयों की तत्परता और समन्वय का परीक्षण करने के लिए अभ्यास के दौरान बसों को पूर्ण सुरक्षा कवर के तहत भेजा गया। इस अभ्यास में भूस्खलन और अन्य प्राकृतिक आपदाओं जैसे आपातकालीन परिदृश्यों का अनुकरण किया गया, जिसमें फंसे हुए तीर्थयात्रियों के लिए त्वरित प्रतिक्रिया, निकासी और चिकित्सा सहायता पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस सिमुलेशन में फंसे हुए वाहनों को बचाना, घायलों को तत्काल प्राथमिक उपचार प्रदान करना और आपदा प्रतिक्रिया और सुरक्षा टीमों द्वारा एकीकृत प्रयासों के माध्यम से त्वरित राहत का समन्वय करना शामिल था।

हाल ही में सुरक्षा संबंधी धमकियों के बावजूद श्रद्धालुओं का जोश कम नहीं है। एक तीर्थयात्री ने कहा कि मुझे अमरनाथ पर भरोसा है। आतंकवादी कुछ भी करने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन वे सफल नहीं होंगे। मैं लोगों से जम्मू-कश्मीर आने और यह दिखाने का आग्रह करता हूं कि हम डरे हुए नहीं हैं। जम्मू पुलिस ने 3 जुलाई से शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा से पहले सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और किसी भी साजिश को नाकाम करने के लिए जांच चौकियां बनाई हैं।

पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि अमरनाथ यात्रा के मद्देनजर जम्मू पुलिस ने जिले भर में रणनीतिक रूप से अहम कई स्थानों पर संयुक्त जांच चौकी स्थापित करके सुरक्षा व्यवस्था को काफी मजबूत कर दिया है। उन्होंने कहा कि तीर्थयात्रा को निर्बाध और सुरक्षित बनाने के लिए अर्द्धसैनिक बलों के साथ समन्वय में जांच चौकी स्थापित की गई हैं। ये चौकियां राष्ट्रीय राजमार्गों, जम्मू के आसपास और भगवती नगर आधार शिविर की ओर जाने वाले मार्गों सहित संवेदनशील और अत्यधिक व्यस्त आवाजाही वाले क्षेत्रों में 24 घंटे चालू रहेंगी। प्रवक्ता ने बताया कि सतर्कता और लोगों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारी व्यक्तिगत रूप से जांच चौकियों की निगरानी कर रहे हैं।

अखिलेश ने बिना नाम लिए धीरेंद्र शास्त्री पर बोला हमला, करोड़ों में कथा सुनाते हैं और अंडर टेबल भारी भरकम रकम लेते

इटावा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में कथावाचकों के साथ कथित रूप से जातिगत हमले की घटना ने यूपी का राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया है। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने इस मुद्दे पर योगी सरकार को घेरकर प्रसिद्ध कथावाचक धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पर भी तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि 'कथावाचक करोड़ों में कथा सुनाते हैं और अंडर टेबल भारी भरकम रकम लेते हैं।'

अखिलेश ने कहा कि धर्म को धंधा बना दिया गया है। एक व्यक्ति 50 लाख रुपये लेता है कथा के लिए। क्या किसी सामान्य व्यक्ति की इतनी हैसियत है कि वह बाबा को बुला सके?' उन्होंने सीधे-सीधे पं. धीरेंद्र शास्त्री का नाम लिए बिना उन्हें कटघरे में खड़ा किया। अखिलेश ने सवाल किया कि 'आप खुद पता करिए, वे पैसे लेते हैं या नहीं, और उनकी कथा की कीमत क्या होती है?'

सपा प्रमुख ने कहा कि यह घटना दिखाती है कि कुछ वर्ग कथा क्षेत्र पर वर्चस्व बनाए रखना चाहते हैं। जो कथा कहने को व्यवसाय बना बैठे हैं, वहीं पिछड़े-दलितों को इसमें आने से रोकते हैं। हालांकि धीरेंद्र शास्त्री ने सीधे अखिलेश यादव के आरोपों पर अब तक प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन इटावा घटना पर टिप्पणी करते हुए कहा कि कथा किसी जाति की बपौती नहीं है। अगर किसी ने कानून तोड़ा है, तब उस सजा कानून देगा, न कि भीड़। उन्होंने राजनीतिक नेताओं से अपील की कि 'धार्मिक मामलों को राजनीति का रंग न दिया जाए।' वहीं अखिलेश और धीरेंद्र शास्त्री समर्थकों के बीच सोशल मीडिया पर अब नए सिरे से बहस छिड़ गई है। जहां एक पक्ष बाबा पर कथावाचन को लेकर 'धंधा' चलाने का आरोप लगा रहा है, वहीं दूसरे पक्ष का कहना है कि 'धर्म प्रचारक पर राजनीति के लिए हमला हो रहा है।'

कमजोर हो रहा ममता का पार्टी पर नियंत्रण, बनर्जी और महुआ के बयान कर रहे इशारा

-सांसद कल्याण ने आरपियों को बचाने का आरोप लगाया

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में लॉ कॉलेज में गैंगरेप की घटना से ममता सरकार की खासी किरकिरी हो रही है। वहीं, अब इस मामले में ममता की पार्टी के नेता आपस में ही भिड़े हुए हैं। टीएमसी के कुछ नेता पार्टी लाइन अलग बयान दे रहे हैं। वहीं, कुछ नेताओं ने पूरे मामले में दूरी बनाए रखी है। इससे संकेत मिल रहे हैं कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के बीच सबकुछ ठीक नहीं है। जहां पार्टी विधायक मदन मित्रा और सांसद कल्याण बनर्जी पार्टी के बयान पर ही सवाल उठे हैं। वहीं, महिला सांसद महुआ मोइत्रा ने इस पूरे प्रकरण में आग में घी डाल दिया। महुआ ने बेतुका बयान देने के लिए कल्याण और मित्रा को निशाने पर ले लिया। इसके बाद कल्याण ने महुआ को घर तोड़ने वाली तक बता डाला।

बता दें कि तृणमूल कांग्रेस ने विधायक मित्रा को उनके विवादास्पद बयान के लिए कारण बताओ नोटिस दिया है। टीएमसी ने विधायक मित्रा को नोटिस देकर कहा है कि वह तीन दिनों के अंदर जवाब दें। वहीं, टीमएसी के सांसद कल्याण बनर्जी भी पार्टी नेतृत्व के खिलाफ जाते नजर आए। कल्याण बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि वह टीएमसी द्वारा जारी बयान से पूरी तरह से असहमत हैं।

बनर्जी ने लिखा कि क्या पार्टी अपराधियों को समर्थन देने वाले नेताओं का बचाव कर रही है? उन्होंने लिखा कि केवल बयान जारी करने से कुछ नहीं होगा। पार्टी को जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करनी होगी। इस बीच महुआ मोइत्रा का बयान आया कि टीएमसी महिला विरोधियों को बख्शती नहीं है। इस बयान पर सांसद बनर्जी इस कदर भड़के उठे कि उन्होंने महुआ पर निजी टिप्पणियां तक कर डालीं।

वहीं, पूरे मामले को लेकर भाजपा ममता सरकार पर हमलावर है। बंगाल में भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार को रेप की घटना के विरोध में पुलिस ने गिरफ्तार किया। बीजेपी नेता मजूमदार ने कहा कि टीएमसी छात्र यूनियन के नेता कॉलेज में एडमिशन लेने आने वाली छात्राओं का गलत फायदा उठाते हैं। उन्होंने कहा कि एक प्रोफेसर के तौर पर मैं यह भली-भांति जानता हूं। इस दौरान सीपीआई-एम के राज्यसभा सांसद, सीपीआई-एम समर्थक, कांग्रेस और भाजपा ने शहर भर में रैलियां निकालीं। इन लोगों ने न्याय के लिए आवाज उठाई।

दूसरे टेस्ट में विराट कोहली को पछाड़ सकते हैं ऋषभ पंत, एक शतक की है जरूरत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में एक और शतक लगाकर बड़ी उपलब्धि हासिल करने की कोशिश करेंगे। अगर पंत दूसरे टेस्ट में शतक लगाते हैं तो वह कोहली को पछाड़कर इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैचों में किसी भारतीय द्वारा मोहम्मद अजहरुद्दीन के साथ संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे।

वर्तमान में पंत और कोहली दोनों ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैचों में पांच शतक लगाए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में सबसे ज्यादा शतकों के मामले में राहुल द्रविड़ (21 मैच) और महान सचिन तेंदुलकर (32 मैच) शीर्ष पर हैं जिन्होंने 7-7 शतक लगाए हैं। उनके बाद अजहरुद्दीन (15 मैचों में 6 शतक) का नम्बर आता है जोकि तीसरे स्थान पर हैं। चौथे नम्बर पर पंत (13 मैचों में 5 शतक) और पांचवें नम्बर पर कोहली (28 मैचों में 5 शतक) आते हैं।

गौर हो कि इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान अपने आक्रामक अंदाज में दिखे और दोनों इनिंग्स में शतक लगाने वाले भारत के पहले विकेटकीपर बल्लेबाज बने। उनकी बल्लेबाजी ने इंग्लिश गेंदबाजों को काफी परेशान किया क्योंकि वे उनके सामने पूरी तरह से बेबस नजर आए। पंत के दो शानदार शतकों के बावजूद भारत हार गया क्योंकि इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने 371 रनों के लक्ष्य को आसानी से पांच विकेट रहते हासिल कर लिया। पांच मैचों की सीरीज में 0-1 से पिछड़ रहे शुभमन गिल और उनकी टीम बर्मिंघम में दूसरे टेस्ट के लिए तैयार हैं।

छह साल के तेगबीर सिंह ने बनाया विश्व रिकार्ड, यूरोप की सबसे ऊंची पर्वत चोटी फतह की

रूपनगर (एजेंसी)। पंजाब में रूपनगर शहर के रहने वाले तेगबीर सिंह ने रूस में स्थित माउंट एल्ब्रस पर 18510 फुट (5642 मीटर) से अधिक की ऊंची चोटी फतह करने का विश्व रिकॉर्ड बनाया है। तेगबीर ने 20 जून को माउंट एल्ब्रस की चढ़ाई के लिए यात्रा शुरू की और 28 जून को चोटी फतह कर ली थी। इसी के साथ छह साल और नौ महीने के तेगबीर सिंह माउंट एल्ब्रस फतह करने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के पर्वतारोह बन गया है।

उल्लेखनीय है कि माउंट एल्ब्रस कम ऑक्सीजन वाले क्षेत्र है और यहां का सामान्य तापमान -10 डिग्री सेल्सियस तक रहता है तथा चढ़ाई के दौरान कई तरह की जटिलताओं का सामना करना पड़ता है। रूस के पर्वतारोहण, रॉक क्लाइम्बिंग और स्पोर्ट्स टूरिज्म फेडरेशन ऑफ काबर्डिनो बाल्केरियन रिपब्लिक ने माउंट एल्ब्रस फतह करने वाले तेगबीर को पर्वतारोहण प्रमाणपत्र जारी किया।

प्रमाणपत्र में लिखा है कि यह प्रमाणित किया जाता है कि भारत के 6 साल 9 महीने और 4 दिन की उम्र में तेगबीर सिंह माउंट एल्ब्रस पर चढ़ने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के पर्वतारोही हैं। इसी के साथ तेगबीर ने पिछले साल सात वर्ष और तीन महीने की उम्र में विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले वाघा कुशाग्र (महाराष्ट्र, भारत के मूल निवासी) के विश्व रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। अगस्त 2024 में वह माउंट किलिमंजारो (अफ्रीकी महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी) पर चढ़ने वाले सबसे कम उम्र के एशियाई बन गए थे और उनका नाम एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज है। वह अप्रैल 2024 में माउंट एवरेस्ट बेस कैंप (नेपाल) भी पहुंचे थे। चोटी फतह करने वाले तेगबीर सिंह ने कहा, 'मुझे पता था कि मुझे कहां पहुंचना है और आखिरकार मैं पहुंच गया और वहां अपने पिता के साथ एक तस्वीर खिंचवाई। तेगबीर ने कहा मैं पहली बार बर्फ पर चल रहा था, मेरे जूते भारी थे, लेकिन मैंने इसका अभ्यास किया था।'

इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए प्लेइंग 11 की घोषणा की, आर्चर टीम में नहीं

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए सोमवार 30 जून को अपनी प्लेइंग 11 की घोषणा की, जो बुधवार से बर्मिंघम के एजबेस्टन में शुरू होगा। भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में इंग्लैंड ने जीत दर्ज करते हुए पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में बढ़त बनाई थी।

बेन स्टोक्स की अगुआई वाली टीम में दूसरे मैच के लिए टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। उंगली की चोट से उबरने के बाद इंग्लैंड की टीम में शामिल किए गए तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को शुरुआती लाइनअप में शामिल नहीं किया गया है। आर्चर परिवार में इमरजेंसी के कारण एजबेस्टन में सोमवार के अभ्यास सत्र का हिस्सा नहीं बन पाए। वहीं जोश टंग, ब्रायडन कार्स और क्रिस वोक्स फ्रंटलाइन तेज गेंदबाज के रूप में अपनी सेवाएं जारी रखेंगे।

दूसरी तरफ तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को दूसरे मैच के लिए आराम दिए जाने की उम्मीद है जिससे भारत की लाइनअप में बदलाव देखने को मिल सकता है। बुमराह के अलावा भारतीय टीम में स्पिनर कुदलीप यादव को भी शामिल करने की बात सामने आ रही है जो लंदन में प्रभावी साबित हो सकते हैं।

इंग्लैंड की प्लेइंग 11

जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रुक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग, शोएब बशीर।

ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज ग्रेग चैपल ने भारत की सबसे बड़ी कमी पर जताई चिंता

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज ग्रेग चैपल का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में भारत को गेंदबाजी आक्रमण में विविधता के अभाव का खामियाजा भुगतना पड़ा। उन्होंने कुलदीप यादव को शेन वॉर्न के बाद सर्वश्रेष्ठ कलाई का स्पिनर करार देते हुए उन्हें और अर्शदीप सिंह को टीम में शामिल करने की सलाह दी। भारत को पांच मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में इंग्लैंड ने पांच विकेट से हराया।

भारतीय टीम ने पहले टेस्ट में आठ कैच टपकाए। चैपल ने अपने कॉलम में लिखा, 'हेडिंग्ले में फील्डिंग बहुत निराशाजनक थी लेकिन हार का यह अहम कारण नहीं था। भारत ने अपनी परेशानियां खुद खड़ी की थी। सबसे बड़ी गलती तो वह नो बॉल थी जिससे दूसरी पारी की शुरूआत में ही हैरी ब्रूक को जीवनदान मिला।'

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने कहा कि भारत के सामने समस्या यह भी थी कि उसके दाहिने हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और शार्दुल ठाकुर लगभग एक से ही थे। उन्होंने कहा, 'भारतीय गेंदबाजी आक्रमण में विविधता का अभाव था। जसप्रीत बुमराह को छोड़कर बाकी तेज गेंदबाज एक जैसे ही थे। गेंदबाजी में बदलाव के तुरंत बाद विकेट गिरने का कारण यह होता है कि बल्लेबाज को ढलने में समय लगता है। लेकिन भारतीय टीम के पास यह विकल्प नहीं था।'

भारत के पूर्व कोच ने कहा, 'बुमराह की गैर मौजूदगी में अर्शदीप सिंह को टीम में जगह मिलनी चाहिए। इसके साथ ही कुलदीप यादव को भी उतारना चाहिए जो शेन वॉर्न के बाद कलाई का सर्वश्रेष्ठ स्पिनर है।'

भारतीय टीम ने टी20 विश्वकप जीत के एक साल पूरा होने पर केक काटकर जश्न मनाया

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 विश्व कप 2024 की जीत के एक साल पूरे होने पर रविवार को यहां एक पार्टी आयोजित की। इसमें केक काटकर जश्न मनाया गया। इस दौरान विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने मजाकिया अंदाज में ऑलराउडर रवींद्र जडेजा की खिंचाई करने का प्रयास किया पर उन्हें करारा जवाब मिला। जडेजा ने कहा कि वह अभी एक फॉर्मेट से रिटायर हुए हैं। टी20 विश्व कप जीतने के बाद जडेजा ने क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारुप से संन्यास ले लिया था।

बीसीसीआई ने इस पार्टी का वीडियो भी सोशल मीडिया में पारी किया है। वीडियो में देखने को मिल रहा है कि पहले कोई भी खिलाड़ी केक काटने के लिए आगे नहीं बढ़ रहा था। तभी अर्शदीप सिंह आगे बढ़े तो कहा गया कि बुमराह प्लेयर ऑफ द सीरीज थे, तो ऐसे में अर्शदीप की जगह बुमराह ने केक काटा। इसके बाद सभी खिलाड़ी एक दूसरे को केक खिलाने लगे। वीडियो में बुमराह और ऋषभ ने जडेजा को 'हैप्पी रिटायरमेंट' कहकर केक खिलाया। इसपर जडेजा सफाई देते नजर आ रहे हैं उन्होंने अभी केवल एक ही प्रारुप से संन्यास लिया है।

आईसीसी ने इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम पर जुर्माना लगाया

लंदन ।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम पर भारत के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया है। इस प्रकार इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम को दोहरा झटका लगा है। इस मैच में उसे भारतीय टीम ने 97 रनों से हराया था। वहीं अब उसपर मैच फीस का 10 फीसदी जुर्माना लगा है।आईसीसी के अनुसार इंग्लैंड की टीम तय समय में पूरे 20 ओवर नहीं फेंक पाई थी। इसी कारण अंतरराष्ट्रीय पैनल की मैच रेफरी हेलेन पैक ने इंग्लैंड टीम पर यह जुर्माना लगाया गया है। आईसीसी ने इसी को लेकर कहा, खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के न्यूनतम ओवर-रेट संबंधी नियम के तहत ही खिलाड़ियों पर तय समय में गेंदबाजी न करने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच फीसदी जुर्माना लगाया जाता है।इस मामले में इंग्लैंड की कप्तान नेट साइवर-ब्रंट ने सुझाई गई सजा को स्वीकार कर लिया इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई जरुरत नहीं पड़ी। आरोप चौथे अंपायर अन्ना हैरिस, तीसरे अंपायर सू रेडफर्न और मैदानी अंपायर जेम्स मिडलब्रुक और जैकलीन विलियम्स ने लगाए थे।

शमी होते तो बुमराह को मिलता एक अनुभवी जोड़ीदार !

बर्मिंघम ।भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत ही दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में आराम दिया जाएगा।ऐसे में टीम को अनुभवी तेज गेंदबाज मो शमी की याद आई है। शमी को इस सीरीज के लिए इसलिए जगह नहीं मिली क्योंकि वह पूरी तरह से फिट नहीं थी। इससे पहले आईपीएल में उनका प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुसार नहीं रहा था। ऐसे में उन्हें टीम में शामिल न करने के लिए प्रबंधन को दोषी नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि आईपीएल 2025 में वह नौ मैचों में 56 की औसत से केवल छह विकेट ले पाये थे। वहीं इसके बाद भी शमी को खारिज नहीं किया जा सकता क्योंकि चैंपियंस ट्रॉफी में उन्होंने 5 मैचों में 25 की औसत से 9 विकेट लिए। इंग्लैंड दौरे पर 34 वर्षीय तेज गेंदबाज शमी को ना चुने जाने से उनके टेस्ट करियर के समाप्त होने की भी आशंका लगायी गयी पर ये सही नहीं है। अभी भी शमी बुमराह के लिए एक अच्छे सहयोगी हैं। आज जबकि बुमराह केवल तीन टेस्ट खेल कसते हैं तो सभी को शमी की याद आ रही है। ये भी कहा जा रहा है कि शमी को कम से कम दो टेस्ट के लिए तो शामिल किया जा सकता था। वह भी उनक मैचों में जिनमें बुमराह नहीं होते। शमी ने इंग्लैंड में 14 मैचों में 42 विकेट लिए हैं और वह टीम की ओर से अहम भूमिका निभा सकते थे। शमी के नहीं होने से टीम इंडिया अभी तक बुमराह के लिए सही जोड़ीदार तलाशने में असफल रही है। युवा मोहम्मद सिराज फॉर्म में नहीं हैं। वहीं आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा भी अनुभवी नहीं हैं।

एशिया कप भारत में, पाकिस्तान को नहीं मिलेगी देश में एंट्री !, हॉकी इंडिया के अधिकारी का बयान आया सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत में हॉकी पुरुष एशिया कप में पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर अनिश्चितता के बीच हॉकी इंडिया के एक अधिकारी ने कहा कि इस मामले में सरकार के साथ बातचीत जारी है और उसके बाद अंतिम फैसला लिया जाएगा। बिहार का ऐतिहासिक शहर राजगीर 29 अगस्त से 9 सितंबर तक राजगीर हॉकी स्टेडियम में पुरुष एशिया कप 2025 की मेजबानी करेगा।

पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले में 26 लोगों की जान जाने के बाद पाकिस्तान पुरुष हॉकी टीम की महाद्वीपीय प्रतियोगिता में भागीदारी खतरे में है। टूर्नामेंट में दो महीने से भी कम समय बचा है और हॉकी इंडिया अभी भी पाकिस्तान पुरुष हॉकी टीम के देश में आने के लिए सरकारी मंजूरी का इंतजार कर रहा है। हॉकी इंडिया के एक अधिकारी ने अगस्त में एशिया कप में पाकिस्तान की भागीदारी के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'हम सरकार के संपर्क में हैं और हम उसके निर्देशों का पालन करेंगे। मौजूदा स्थिति के अनुसार मुझे नहीं लगता कि पाकिस्तान टीम को भाग लेने की अनुमति दी जाएगी।'

पुरुषों का एशिया कप 2025-2026 एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफाइंग इवेंट के रूप में काम करेगा, जिसकी मेजबानी बेल्जियम और नीदरलैंड करेंगे। टूर्नामेंट का विजेता विश्व कप में एक प्रतिष्ठित स्थान अर्जित करेगा। इसके अलावा भारत एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 की भी मेजबानी करेगा, जो 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में खेला जाएगा।

पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान को बाहर करने की मांग के कारण भारत में जूनियर इवेंट में पाकिस्तान की भागीदारी भी संदेह में है। उन्हें विस्तारित 24-टीम टूर्नामेंट में चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के साथ रखा गया था। पाकिस्तान की पुरुष हॉकी टीम ने आखिरी बार 2023 में भारत का दौरा किया था, जब भारत ने चेन्नई, तमिलनाडु में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी की थी। हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने फाइनल में मलेशिया को 4-3 से हराकर रिकॉर्ड चौथा खिताब जीता था।

आयुष ने यूएस ओपन सुपर 300 के साथ बीडब्ल्यूएफ टूर पर जीता पहला खिताब, तन्वी उप-विजेता रही

आयोवा (अमेरिका)। उभरते हुए भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन सुपर 300 के पुरुष एकल फाइनल में कनाडा के ब्रायन यांग को सीधे गेमों में हराकर अपना पहला बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीता। आयुष की इस जीत ने मौजूदा सत्र में विश्व टूर पर भारत के खिताबी सूखे को खत्म किया। विश्व जूनियर चैंपियनशिप (2023) कांस्य पदक विजेता 20 साल के आयुष ने रविवार को तीसरी वरीयता प्राप्त यांग को 47 मिनट तक चले मुकाबले में 21-18, 21-13 से हराया।इस जीत के साथ उन्होंने एक शानदार सप्ताह का समापन किया जिसमें सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त चोऊ टिएन चेन के खिलाफ पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए एक यादगार जीत भी शामिल है।यांग के खिलाफ यह आयुष की यह तीसरी जीत है।उन्होंने इस साल की शुरुआत में मलेशिया और ताइपे ओपन में भी कनाडा के इस खिलाड़ी को दो बार हराया था। महिला एकल के फाइनल में 16 वर्षीय तन्वी शर्मा उपविजेता रहीं। उन्हें शीर्ष वरीयता प्राप्त अमेरिका की बेइवेन झांग के खिलाफ तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। विश्व टूर स्तर के अपने पहले फाइनल में खेल रही गैर-वरीयता प्राप्त इस किशोर खिलाड़ी को 46 मिनट में 11-21, 21-16, 10-21 से शिकस्त का सामना करना पड़ा।

अजहर महमूद पाकिस्तान टेस्ट टीम के नए मुख्य कोच बने

लाहौर ।पूर्व ऑलराउंडर अजहर महमूद पाकिस्तान की टेस्ट क्रिकेट टीम के नए मुख्य कोच बनाये गये हैं।पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अजहर के नाम की घोषणा कर दी है पर कहा है कि वह वह शुरुआत में कार्यवाहक मुख्य कोच रहेंगे।अजहर पिछले काफी समय से पुरुष क्रिकेट टीम के गेंदबाजी और असिस्टेंट कोच रहे हैं।वह अपने मौजूदा अनुबंध के समाप्त होने तक इस पद पर काम करेंगे।पिछले दो साल में पीसीबी ने कई मुख्य कोच बदले हैं, ऐसे में महमूद कब तक टिक पायेंगे ये देखना होगा।पीसीबी को भरोसा है कि अजहर कोच को खिलाड़ी और कोच के रूप में काफी अनुभव है, इसलिए वह इस भूमिका में सफल रहेंगे।पीसीबी ने कहा, एक अनुभवी क्रिकेट खिलाड़ी अजहर अब कोच के तौर पर आ रहे हैं।टीम के सहायक कोच के रूप में लंबे समय से रहने के कारण वह टीम के रणनीतिक कोर समूह का एक अहम हिस्सा रहे हैं।खेल के बारे में उनकी जानकारी काफी अच्छी है।अंतरराष्ट्रीय अनुभव के साथ हीइंग्लिश काउंटी सर्किट में मिली सफलता उन्हें इस पद के लिए सबसे अधिक उपयुक्त बनाती है।महमूद की कोच के तौर पर पहली परीक्षा आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 के तहत दक्षिण अफ्रीका की धरती पर होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के साथ शुरू होगी।ये सीरीज इस साल के अंत में खेली जाएगी।

विश्व एथलेक्स चैम्पियनशिप में हो सकता है नीरज और अरशद का मुकाबला

नई दिल्ली ।भारत के स्टार एथलीट भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में होने वाली विश्व एथलेक्स चैम्पियनशिप में उतरेगे।यहां इनका मुकाबला पाकिस्तान के अरशद नदीम से हो सकता है।अरशद भी यहां भाग लेने वाले हैं।नीरज आजकल शानदार फॉर्म में चल रहे हैं।उन्होंने दोहा डायमंड लीग में 90 मीटर का आंकड़ा पारी करने के बाद पेरिस डायमंड लीग में जीत दर्ज की।साथ ही ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक इवेंट भी वह पहले नंबर पर रहे हालांकि, पेरिस और ओस्ट्रावा में वह 90 मीटर की दूरी तय नहीं कर पाए। अब नीरज चोपड़ा क्लासिक भाला फेंक प्रतियोगिता में खेलते हुए दिखेंगे।नीरज दोहा में और फिर ओरलेन जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल प्रतियोगिता में जूलियन वेबर के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे।वहीं पेरिस और ओस्ट्रावा में पहला स्थान हासिल किया। हालांकि, इन चारों टूर्नामेंट में पाकिस्तान के नदीम नहीं थे।नदीम ने इस सत्र में ज्यादा प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं लिया है वह फिलहाल पाकिस्तान में ट्रेनिंग में ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने पिछले एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग लिया था जिसमें नीरज नहीं खेले थे।नदीम ने वहां 86.40 मीटर थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था।नदीम ने कहा है कि उनका पूरा ध्यान विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप पर है। उन्होंने लाहौर में एक कार्यक्रम में कहा कि मेरा ध्यान विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप पर है और मैं इसके लिए कड़ी मेहनत कर रहा हूं।वह जल्द ही अभ्यास के लिए इंग्लैंड जा जा रहे हैं जहां एक माह अभ्यास करेंगे।

भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज का नाम बदलने से नाराज हैं पूर्व क्रिकेटर फारुख इंजीनियर

बर्मिंघम (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर फारुख इंजीनियर ने भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का नाम बदले जाने पर नाराजगी जताया है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि ये फैसला प्रशंसकों को खुश करने के लिए किया गया। ईसीबी ने साल 2007 में भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज का नाम पटौदी ट्रॉफी रखा था पर इस बार इसका नाम बदलकर एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी कर दिया गया। इस फैसले को दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भी सही नहीं माना था। इंजीनियर भी नाम बदलने से सहमत नहीं हैं हालांकि उन्होंने माना है कि सचिन तेंदुलकर और जेम्स एंडरसन की उपलब्धियों पर सवाल नहीं उठाये जा सकते हैं। इंजीनियर ने कहा, 'टाइगर पटौदी मेरे बहुत अच्छे दोस्त थे। मेरे बहुत अच्छे सहयोगी थे। हमने काफी टेस्ट मैच साथ में खेले। मुझे सबसे ज्यादा खुशी तब हुई जब 2007 में ट्रॉफी का नाम उनके नाम पर रखा गया।

उन्होंने कहा, 'एक ओर जहां मैं इस बात से बहुत निराश हूं कि पटौदी का नाम हटा दिया गया। मैं चाहता हूं कि टाइगर का नाम इस ट्रॉफी से जुड़ा रहता लेकिन इसके बजाय सचिन और एंडरसन के नाम पर इस ट्रॉफी का नाम रखने का फैसला किया गया जो खेल के दिग्गज हैं। इंजीनियर ने कहा, 'इसमें पटौदी पदक की शुरुआत एक अच्छा कदम है। उन्हें इसकी घोषणा शुरू में ही कर देनी चाहिए थी, इससे अधिक विश्वसनीयता होती, लेकिन कम से कम उन्होंने कुछ तो किया। उम्मीद है कि पटौदी पदक के जरिये ये नाम इससे हमेशा जुड़ा रहेगा।

पटौदी परिवार का भारत-इंग्लैंड क्रिकेट से गहरा नाता रहा है। इफ्तिखार अली खान पटौदी और उनके बेटे मंसूर दोनों ने भारत की कप्तानी की थी। इन दोनों ने इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेला। वहीं दूसरी ओर तेंदुलकर टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जबकि एंडरसन ने तेज गेंदबाज के रूप में पारंपरिक प्रारूप में सबसे अधिक विकेट लिए हैं। इंजीनियर ने कहा, 'तेंदुलकर और एंडरसन की उपलब्धियों पर सवाल नहीं उठाया जा सकता। इस कहानी के दो पहलू हैं। उन्होंने पदक का नाम पटौदी के नाम पर रखा है जो बहुत सोच-समझकर किया गया फैसला है। उन्होंने कहा, 'यह फैसला पटौदी के मुझे जैसे कई समर्थकों को खुश करने के लिए किया गया लेकिन आप उन्हें ट्रॉफी का नाम सचिन और एंडरसन के नाम पर रखने के लिए दोषी नहीं ठहरा सकते।

सन ऑफ सरदार 2 का हिस्सा न होने पर सोनाक्षी सिन्हा ने दी प्रतिक्रिया

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने 2012 की सुपरहिट फिल्म सन ऑफ सरदार में अजय देवगन के साथ मुख्य भूमिका निभाई थी। उन्होंने बात करते हुए सन ऑफ सरदार 2 में अपनी गैरमौजूदगी को लेकर प्रतिक्रिया दी। सोनाक्षी सिन्हा ने बताया कि फिल्म में कास्टिंग से जुड़े ऐसे फैसले इंडस्ट्री में आम बात हैं और इन पर ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं होती। सन ऑफ सरदार 2 में शामिल न होने पर उन्होंने कहा कि शायद फिल्म की कहानी अब किसी और दिशा में जा रही है और उसमें नए किरदार होंगे। उन्होंने कहा, मैं इस बदलाव को पूरी तरह समझती हूं और इसका सम्मान करती हूं। सोनाक्षी सिन्हा ने आगे कहा, मैं अब प्रोफेशनल तरीके से सोचती हूं। हम इतने सालों से इस इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं, तो इन बातों को समझना आ गया है। यह बहुत छोटी सी बात है, कोई बड़ी बात नहीं है। इसका मुझ पर कोई असर नहीं पड़ता। साल 2012 में रिलीज हुई सन ऑफ सरदार में सोनाक्षी सिन्हा लीड रोल में थीं। इसमें अजय देवगन ने जस्सी और संजय दत्त ने बिल्लू का किरदार निभाया था। इसमें एक्ट्रेस जूही चावला भी अहम किरदार में नजर आई थीं। यह रोमांटिक कॉमेडी फिल्म साल 2010 की तेलुगु फिल्म मर्यादा रमन्ना की रीमेक थी।

सन ऑफ सरदार 2 में अजय देवगन और मृणाल ठाकुर की जोड़ी नजर आएगी। हाल ही में अजय देवगन ने सोशल मीडिया पर सन ऑफ सरदार 2 की रिलीज डेट का ऐलान किया था। अजय देवगन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया, जिसमें वह पगड़ी पहने नजर आए और लिखा, द रिटर्न ऑफ द सरदार अब 25 जुलाई को नजदीकी सिनेमाघरों में। सन ऑफ सरदार 2 की टक्कर बॉक्स ऑफिस पर सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर की फिल्म परम सुंदरी से होगी। मैडॉक फिल्म्स की परम सुंदरी 25 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। यह फिल्म एक ऐसे कपल की कहानी है, जो उत्तर और दक्षिण भारत से है। फिल्म का निर्देशन तुषार जलोटा ने किया है और इसे दिनेश विजान ने प्रोड्यूस किया है।

राणा नायडू सीजन 2 में बोल्ड और इंटिमेट सीन कहानी के लिए जरूरी

एक्ट्रेस अदिति शेट्टी ने राणा नायडू सीजन 2 में अपने बोल्ड और इंटिमेट सीन के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि ये सीन कहानी और उनके किरदार को बेहतर तरीके से समझाने के लिए जरूरी थे। अदिति शेट्टी ने कहा कि नए सीजन में बहुत कम बोल्ड सीन हैं और जो भी सीन हैं, उन्हें बहुत सोच-समझकर फिल्माया गया है। ये सीन कहानी के लिए जरूरी थे और उनके किरदार को बेहतर तरीके से समझने में मदद करते हैं। अदिति ने कहा, सीजन 2 में वास्तव में बहुत कम बोल्ड सीन हैं और वे भी सावधानी से शूट किए गए हैं। ये सीन कहानी के लिए जरूरी थे और मेरे किरदार के सफर के लिए यह मायने रखते हैं। कुछ भी बेकार नहीं था, हमने जो भी किया, उसका उद्देश्य और गहराई थी। अदिति शेट्टी ने बताया कि उन्होंने राणा नायडू सीजन 2 में काम करने के लिए हां क्यों कहा।

उन्होंने कहा, इसके कई कारण थे। मैंने पहले भी मिर्जापुर में निर्देशकों के साथ काम किया था, और मैं पहले से ही राणा नायडू सीजन 1 की बड़ी फैन थी। जब मुझे इस किरदार के बारे में पता चला, तो मैं काफी उत्साहित हुई। मेरा किरदार बहुत दिलचस्प है और कहानी के लिए अहम है। मैं अपने किरदार से काफी प्रभावित हुई। साथ ही, सीन भी जबरदस्त थे। खासकर राणा सर के साथ मेरा फेस-ऑफ सीन शानदार था। इन कुछ चीजों के चलते मैंने हां की। अदिति ने बताया कि राणा नायडू सीजन 2 में उनका किरदार तसनीम उनकी असल जिंदगी से काफी अलग है।

उन्होंने कहा, तसनीम मेरी असली जिंदगी से बहुत अलग है। मैं मस्ती करने वाली और भावनाओं को खुलकर दिखाने वाली लड़की हूं, लेकिन तसनीम ज्यादा शांत और गंभीर है। एक बात सामान्य है कि हम दोनों में फिटनेस का शौक एक जैसा है। राणा नायडू सीजन 2 में वेंकटेश दग्गुबती, राणा दग्गुबती, अर्जुन रामपाल और कृति खरबंदा लीड रोल में हैं। यह शो नेटफ्लिक्स पर 13 जून को रिलीज हुआ था।

द फैमिली मैन 3 में जयदीप अहलावत की एंट्री

प्राइम वीडियो की सीरीज द फैमिली मैन अपने तीसरे सीजन के साथ वापसी कर रही है। बीते दिनों इसका फर्स्ट लुक सामने आया था। वहीं, 27 जून को द फैमिली मैन 3 का एनाउंसमेंट वीडियो जारी किया गया है। मनोज बाजपेयी की सीरीज में इस बार जयदीप अहलावत की भी एंट्री हुई है। वे विलेन की भूमिका में हैं। प्राइम वीडियो के यूट्यूब चैनल से टीजर वीडियो शेयर किया गया है। इसमें मनोज बाजपेयी खुद को लाइफ और रिलेशनशिप काउंसलर बता रहे हैं। जयदीप अहलावत की झलक है। सीरीज के तीसरे भाग में जयदीप अहलावत की एंट्री से नेटिजन्स खुश हैं। मनोज और जयदीप, दोनों सितारों को एक साथ देख दर्शकों की दिलचस्पी सीरीज के प्रति और बढ़ गई है। नेटिजन्स कमेंट कर रहे हैं कि सरदार खान और शाहिद खान आमने-सामने होंगे। बता दें कि जयदीप और मनोज गैंग्स ऑफ वासेपुर में काम कर चुके हैं। हालांकि, इसमें दोनों का साथ में कोई सीन नहीं था। गैंग्स ऑफ वासेपुर में मनोज बाजपेयी को सरदार खान के रूप में देखा गया। वहीं, शाहिद खान के रूप में जयदीप अहलावत नजर आए।

आमने-सामने होंगे ओटीटी के सुपरस्टार

मनोज बाजपेयी और जयदीप अहलावत दोनों ही ओटीटी के धुरंधर हैं। सीरीज से लेकर ओटीटी फिल्मों तक, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दोनों की लोकप्रियता है। ऐसे में इस सीरीज में अब इन्हें एक फ्रेम में देखना दर्शकों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है। यह सीरीज इसी साल यानी 2025 में आएगी। हालांकि, अभी रिलीज डेट का एलान नहीं हुआ है। सीरीज का पहला सीजन 2019 में आया था। फिर दूसरा सीजन साल 2021 में आया। पिछले दोनों सीजन दर्शकों के बीच खूब लोकप्रिय रहे। इस बार कास्ट में जयदीप अहलावत के अलावा निमरत कौर की एंट्री भी हुई है। वे भी विलेन के रोल में हैं। यानी मनोज बाजपेयी का सामना दो दुश्मनो से होगा।

शानमुखा गौतम की फिल्म में लीड रोल निभाएंगे अभिषेक

अभिनेता अभिषेक बच्चन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म हाउसफुल 5 को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में उनके अभिनय को सराहा जा रहा है और यह बॉक्स ऑफिस पर भी ठीक ठाक प्रदर्शन कर रही है। अब अभिषेक के फैंस के लिए एक और बड़ी खबर सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... अभिषेक ने संदीप रेड्डी वांगा के सहायक निर्देशक शानमुखा गौतम की अगली फिल्म साइन कर ली है। वे एक एक्शन थ्रिलर फिल्म से बतौर निर्देशक डेब्यू करने जा रहे हैं। इस फिल्म में अभिषेक एक कसाई की भूमिका निभाएंगे जो उनके करियर का एक नया और दमदार रूप हो सकता है। फिलहाल फिल्म की कास्टिंग पर काम चल रहा है। इसका निर्माण पीपल्स मीडिया फैक्ट्री कर रही है।

रश्मिका मंदाना बनीं मैसा, फिल्म के पोस्टर में दिखा गुस्से से दहलता विकराल रूप

पैन इंडिया की सबसे बड़ी हीरोइन रश्मिका मंदाना देशभर में जबरदस्त फैनबेस एन्जॉय करती हैं और फैंस बेसब्री से इंतजार करते हैं कि वो आगे क्या करने वाली हैं। गुरुवार रिलीज हुए दिलचस्प पोस्टर के बाद, रश्मिका मंदाना की अगली फिल्म मैसा से उनका लुक लॉन्च हुआ, जहां इंडस्ट्री के कई सितारों ने इस शुक्रवार सुबह उनका पोस्टर रिलीज किया। पुष्पा 2ः द रूल के बाद रश्मिका एक और पैन इंडिया फिल्म मैसा के साथ तैयार हैं। अनफॉर्मूला फिल्म्स के बैनर तले बनी मैसा एक ऐसी कहानी लग रही है जिसमें एक महिला योद्धा की हिम्मत और जज़्बे को दिखाया गया है। फिल्म का पोस्टर वाकई अब तक कभी न देखा गया लुक देता है, जिसमें रश्मिका मंदाना के चेहरे का तेज और जज्बा साफ नजर आता है।

मैसा पर बोलीं रश्मिका

रश्मिका मंदाना इस प्रोजेक्ट को लेकर खुद भी काफी उत्साहित नजर आ रही हैं। उन्होंने फिल्म का टाइटल और लुक अपने सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए एक खास कैप्शन लिखा, मैं हमेशा आपको कुछ नया... कुछ अलग... कुछ रोमांचक देने की कोशिश करती हूं..और ये... ये वैसा ही एक प्रोजेक्ट है। एक ऐसा किरदार जो मैंने पहले कभी नहीं निभाया... एक ऐसी दुनिया जहां मैं पहले कभी नहीं गई...और मेरा ऐसा रूप जिसे मैंने खुद भी अब तक नहीं देखा था...ये गुस्से से भरा है... बहुत दमदार है... और बिलकुल असली है। मैं थोड़ी घबराई हुई हूं लेकिन बहुत खुश भी हूं। मैं सच में इंतज़ार नहीं कर सकती कि आप सब देखें हम क्या बना रहे हैं...और ये तो बस शुरुआत है।

कैसी है फिल्म मैसा

ये फिल्म एक जबरदस्त इमोशनल एक्शन कहानी है, जो हमें गोंड जनजाति की दिलचस्प और अनदेखी दुनिया में लेकर जाती है। मैसा को लेकर बात करते हुए डायरेक्टर रविंद्र पुल्ले ने कहा, मैसा दो साल की मेहनत का नतीजा है। हम चाहते थे कि इस फिल्म की दुनिया, उसका लुक, किरदार और कहानी, हर एक चीज बिलकुल सही हो। और अब हम तैयार हैं ये कहानी दुनिया को सुनाने के लिए।

रश्मिका मंदाना की अगली फिल्में

इसके अलावा, रश्मिका मंदाना के पास आने वाले समय में कई जबरदस्त प्रोजेक्ट्स की लाइनअप है। वह जल्द ही आयुष्मान खुराना के साथ मैडॉक फिल्म्स की हॉरर-कॉमेडी थामा में नजर आएंगी। पुष्पा 3 में भी वह अपने आइकॉनिक किरदार श्रीवल्ली के रूप में लौटेंगी। इसके साथ ही द गर्लफ्रेंड और रेनबो जैसी फिल्मों में वह इमोशन से भरे और अलग-अलग तरह के किरदार निभा रही हैं।

एक्टिंग करियर के सबसे सुनहरे दौर से गुजर रहीं नीना गुप्ता, टर्निंग पॉइंट साबित हुई बधाई हो

बॉलिवुड की दिग्गज अभिनेत्री नीना गुप्ता अपने करियर के उस दौर में है, जहां उनकी लोकप्रियता दिन दुनी और रात चौगुनी तरक्की पर है। एक्टिंग करियर के सबसे सुनहरे दौर से गुजर रहीं नीना गुप्ता के लिए बधाई हो टर्निंग पॉइंट साबित हुई। सिनेमा में बोल्ड रहीं नीना अब बिंदास हैं। उनके किरदारों के साथ-साथ फैशन सेन्स की भी खूब तारीफ होती है। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी नई सीरीज पंचायत 4 से, जिसने उनकी लोकप्रियता में इजाफा किया है।

फिल्में हों या वेब सीरीज आपने मजबूत महिलाओं वाली भूमिकाएं की हैं, मगर असल जिंदगी में अपने खुद को सबसे ज्यादा एम्पावर कब फील किया?

सच कहूं, तो मेरे पास जब भी अच्छे पैसे होते हैं, मैं खुद को एम्पावर फील करती हूं, क्योंकि पैसों की बहुत जरूरत होती है और जब भी वो नहीं होते, तो बहुत तकलीफ होती है। सालों-साल मेरी जिंदगी में ऐसा दौर रहा जब मेरे पास पैसे नहीं थे। हमारी फील्ड ही ऐसी है कि कई बार आपके पास दो साल तक लगातार काम होता है और फिर आपके पास काम नहीं होता। मेरे साथ तो ऐसा हुआ कि पांच साल तक मेरे पास काम नहीं था और फिर जब मेरे टैक्स रिटर्न भरने आए, तो वो लोग हैरान रह गए, क्योंकि मेरे पास तो कोई कमाई थी ही नहीं। उनको लगा कि मैं झूठ बोल यही हूं। उनको ये समझ में नहीं आता कि हमारा काम कैसा है? हमारी फील्ड ही ऐसी है कि आज यहां, तो कल वहां। बहुत ही ब्रूटल फील्ड है। मैं तो इतने टॉप पर नहीं पहुंची हूं, मगर जब टॉप वालों के पास नहीं होता न, वो तो समझो बहुत कष्टकारी होता है, क्योंकि आपको एक खास तरह की जीवन शैली की आदत पड़ जाती है और पैसे न हों, तो गुजारा नहीं हो पाता।

आप 66 साल की उम्र में भी तरह-तरह के फैशनेबल कपड़े पहनकर फैशन के गोल सेट करती हैं, चर्चा में रहती हैं।

देखिए, कई बार लोग स्क्रीन प्रेजेंस और असल जिंदगी की ड्रेसिंग को मिक्स कर देते हैं। अब जैसे पंचायत में मैं गांव की महिलाओं की तरह साड़ी पहनती हूं, मगर वो मेरा किरदार है। जो मैं बाहर पहनती हूं, वो नीना गुप्ता है। मुझे फैशन का बहुत ज़बरदस्त शौक है। मेरे पास पैसे नहीं होते थे, मैं फैशन और कपड़ों के मामले में तब भी जुगाड़ और तोड़-जोड़ में लगी रहती थी। अब पैसे हैं, तो एक्सपेरिमेंट करती हूं, अच्छे कपड़े खरीद लेती हूं। मसाबा (उनकी बेटी) से भी मदद ले लेती हूं फैशन के मामले में। वैसे ये भी कहना चाहूंगी कि मैं अगर फैशनेबल कपड़े पहनती हूं, तो संस्कृत में एमफिल भी हूं, तो आप किसी के कपड़ों से उसे जज नहीं कर सकते।

आज इंटरनेट के जमाने में सोशल मीडिया पर आपको काफी कम ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है, तो वो टिप्स आपको कौन देता है?

टिप्स कौन देगा मुझे? मैं तो सोशल मीडिया पर सच ही लिखती हूं या जो मैं नीना गुप्ता हूं, वही दिखती हूं, तो मुझे कोई क्या ही ट्रोल कर लेगा? यही ट्रोल करेंगे कि सेक्सी कपड़े पहने हैं। पर वो तो बहुत अच्छी बात है न, हां, जब कभी -कभार मैं सोशल मीडिया पर कुछ गलत टैग कर दूं या फिर मीडिया पर कुछ गलत लिख दूं अथवा गलत समय पर कुछ पोस्ट कर दूं, तो मेरी बेटी मसाबा का फोन आता है कि आप ऐसा कैसे पोस्ट कर सकती हैं? मैं उसकी बात पर तवज्जो देती हूं, क्योंकि मैं मानती हूं कि उसे सोशल मीडिया के बारे में मुझसे ज्यादा जानकारी है।

आपकी सीरीज गांव-खेड़ों की राजनीति पर आधारित है, आप कभी पॉलिटिक्स में जाना चाहेंगीं?

नहीं मैं पॉलिटिक्स में जाने का बिल्कुल नहीं सोचती, क्योंकि मैं बहुत मुंहफट हूं और मुंहफट होना पॉलिटिक्स में नहीं चलता। वहां पर मैनिपुलेशन वाली चीजें चलती हैं, जो मुझे नहीं आतीं। वो बहुत गंदा गेम है। फिर मैं ऐसे क्षेत्र में क्यों जाऊं, जिसके बारे में मुझे कोई जानकारी ही न हो।

पंचायत में सीजन दर सीजन आपका किरदार महिला के रूप में मजबूत होता गया?

पंचायत सीजन 1 से लेकर सीजन 4 तक मेरा किरदार काफी इवॉल्व हुआ है। जैसे असल जीवन में धीरे-धीरे होता है। मेरा ही चरित्र क्यों अन्य महिला किरदार भी काफी मजबूत हुए हैं। खुशबू, क्रांति और रिंकी के रोल भी काफी स्ट्रॉन्ग हुए हैं और ये सब बहुत ही ऑर्गेनिक तरीके से किया गया है। ये नहीं कि किसी एक दिन सुबह उठकर मेरे किरदार को अचानक से बदल दिया गया। इसके लेखक चंदन कुमार काफी सुलझे हुए राइटर हैं। उन्होंने किरदारों को बहुत ही संतुलित ढंग से लिखा है। मुझे पंचायत की जो सबसे कमाल की बात लगती है कि मैं किसी छोटे कस्बे में चली जाऊं या किसी बड़ी पार्टी में, मेरे मंजू देवी के किरदार को सभी पहचानते हैं और मुझे ये पहचान अच्छी लगती है। मैं अपने करियर में कई बुरे वक्तों से गुजरी हूं, मगर बधाई हो मेरे करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ और उसके बाद मैं लगातार तरह-तरह की भूमिकाएं करती जा रही हूं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I.No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।